



# बरही से बहरागोड़ा तक मानव श्रृंखला बनाने वाली पार्टी का ऐसा हश्र क्यों

## ■ आखिर क्यों आजसू से कुर्मी मतदाता लगातार दूरी बना रहे हैं

## ■ आखिर क्यों अपनी राजनीतिक जमीन खोती जा रही है पार्टी

## ■ 25 सालों में कुल 18 विधायक ही बना पायी आजसू



### जीत-हार से आजसू को फर्क नहीं पड़ता ?

झारखंड में जेएमएम गठबंधन की सरकार गठन के बाद, मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो चुका है। सभी अपने-अपने कामों पर लग चुके हैं। वहीं भाजपा और आजसू के पास खुद को और एक-दूसरे को कोसने के अलावा, फिलहाल कोई कार्य नहीं बचा है। अब पांच साल तक फिर से इन्हें सत्ता से दूर रहना पड़ेगा। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर भाजपा में देखने को मिल रहा है। भाजपा के लोग दुखी भी हैं। उनके चेहरों पर शिकस्त का असर साफ देखा जा सकता है। वहीं आजसू झारखंड की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसे जीत-हार से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि इस पार्टी की मानसिकता जीत की है ही नहीं। यह झारखंड में एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसके नेताओं के कदम जमीन पर नहीं रहते, इसलिए ये जमीनी सच्चाई से दूर रहते हैं। यह इस बात से भी साबित होता है कि दस सीटों पर चुनाव लड़ने वाली आजसू मात्र एक सीट जीत पाती है, वह भी 231 वोट से। इस पार्टी के मुखिया 23 हजार 867 वोटों से बुरी तरह चुनाव हार जाते हैं। वहीं महज चुनाव पूर्व दो महीने पहले रजिस्टर्ड हुई पार्टी जेएलकेएम के प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो को कुल 41 हजार 725 वोट आते हैं और वह आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो से मात्र 7577 वोट पीछे रहते हैं। समझा जा सकता है कि आजसू की जमीन किस तरह हिल रही है।

### मानव श्रृंखला से लेकर राजनीतिक चूक की गठरी

दो अक्टूबर 2013 का दिन, झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आजसू पार्टी और उसके करीब दो लाख

कार्यकर्ताओं ने बरही से बहरागोड़ा तक मानव श्रृंखला बनायी थी। उस दिन बारिश के बावजूद आजसू और उसके कार्यकर्ताओं में उत्साह की कोई कमी नहीं थी। यह वही दौर था, जब आजसू पार्टी एक ताकत की तरह राज्य में पहचान बना चुकी थी। 2009 और 2014 के विधानसभा चुनावों में आजसू ने पांच-पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन 2014 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में सुदेश महतो बुरी तरह हार गये। सुदेश को इसका अंदाजा नहीं था कि ऐसा हुआ क्यों। लेकिन इसका बीज तो खुद सुदेश महतो ने बोया था। लोकसभा चुनाव के दौरान कुर्मियों के बड़े नेता राम टहल चौधरी के खिलाफ सुदेश महतो का रांची से चुनाव लड़ना एक बड़ी राजनीतिक चूक साबित हुई। इसका मैसेज कुर्मी समाज में अच्छा नहीं गया था। बस फिर क्या था, इसका बदला राम टहल चौधरी ने उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में ले लिया। सुदेश महतो चुनाव हार गये। समझा जा सकता है कि उस चुनाव में भाजपा को 37 सीटें मिली थी और आजसू को पांच। एनडीए की बहुमत की सरकार बनी। लेकिन सुदेश महतो की हार ने उनके राजनीतिक करियर पर ब्रेक लगा दिया। अगर वह जीतते, तो जरूर उनके पास कोई बड़ा मंत्रालय होता। अमित महतो के जेल जाने के बाद सिल्ली में उपचुनाव हुआ, सुदेश ने उपचुनाव भी लड़ा, लेकिन अमित महतो की पत्नी से वह चुनाव हार गये।

### जब गांव वाले कहने लगे आजसू कुर्मी विरोधी है

यहां एक और बात ध्यान देने वाली है। सुदेश महतो के ससुर उमेशचंद्र मेहता ने आजसू के टिकट पर 2014 में गिरिडीह से लोकसभा चुनाव लड़ा था। इन्हें 55 हजार 531 वोट आये थे। वहीं टाड़गर जगरनाथ महतो को तीन लाख 51 हजार 600 वोट आये थे और वह 40 हजार 313 वोटों से हार गये थे। कुर्मी समाज में यह मैसेज गया कि टाड़गर जगरनाथ महतो की हार आजसू प्रत्याशी उमेशचंद्र मेहता के कारण हुई है। इसका मैसेज भी आजसू के प्रति कुर्मी समाज में अच्छा नहीं गया। गांव वाले कहने लगे ये लोग कुर्मी विरोधी हैं। अब आजसू की कुर्मी मतदाताओं में पकड़ ढीली होनी शुरू हो चुकी थी। कुर्मी मतदाता



उससे लगातार बिदकने लगे थे।

### 53 सीटों पर उतारा प्रत्याशी, गांव की सरकार बनाते-बनाते दो सीटों पर सिमट गयी पार्टी

फिर आया 2019 का विधानसभा चुनाव। एन वक्त पर आजसू ने भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया। आजसू ने 53 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिये। उस दौरान भाजपा 10 सीटें आजसू को गठबंधन में देना चाहती थी। लेकिन आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो 18 सीटों पर अड़ गये थे। अमित शाह ने तो यहां तक कहा था कि चार-पांच सीटों पर आजसू अगर फ्रेंडली फाइट में भी चुनाव लड़ जाती है, तो उन्हें आपत्ति नहीं है। आजसू की तरफ से हामी भी भरी गयी थी, लेकिन

अचानक ऐसा क्या हुआ कि आजसू ने भाजपा से किनारा कर लिया और नारा दे डाला, अबकी बार गांव की सरकार। लेकिन गांव की सरकार बनाते-बनाते आजसू मात्र दो सीटों पर सिमट गयी।

### 2019 और 2024 में इचागढ़ से निर्मल महतो की भावज के खिलाफ प्रत्याशी देना एक और भूल

2019 और 2024 के विधानसभा चुनाव में झारखंड के सबसे बड़े नेता माने जाने वाले दिवंगत निर्मल महतो के भाई सुधीर महतो की पत्नी ने जेएमएम के टिकट पर इचागढ़ से चुनाव लड़ा और जीता। आजसू ने भी उन चुनावों में वहां से प्रत्याशी दिया था। इसका असर भी कुर्मी मतदाताओं में साफ देखने को

मिला। 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान वहां के कुर्मी वोटरों में एक मैसेज बड़ी तेजी से फैला कि आजसू कुर्मी विरोधी पार्टी है। इसका एक पम्फलेट भी बड़ी से लोगों के बीच फैला था कि एक तरफ तो आजसू पार्टी शहीद निर्मल महतो को पूजती है, वहीं दूसरी तरफ उन्हीं की घर की महिला, जो उनके दिवंगत भाई सुधीर महतो की पत्नी हैं, के खिलाफ प्रत्याशी देती है। यह कैसी राजनीति है। सो कुर्मी मतदाताओं ने आजसू से साफ दूरी बना ली। यह बहुत बड़ा ब्लंडर आजसू के द्वारा हुआ।

### आजसू में पार्टी नहीं लोग सर्वोपरि

वैसे आजसू को कुर्मियों की पार्टी कहा जाता था, लेकिन अब

कुर्मी मतदाता आजसू से किनारा कर रहे हैं। उनकी पहली पसंद जयराम महतो हो गये हैं। कुर्मियों की आबादी झारखंड में 15 प्रतिशत है और जयराम महतो इनके नये पोस्टर ब्रव्वा बन कर उभरे हैं। आजसू और जयराम की पार्टी जेएलकेएम में बस इतना ही अंतर है कि इस युवा राजनीतिज्ञ जयराम के पैर फिलहाल जमीन पर हैं। उसे अपनी चादर का पता है कि पैर कितना फैलाना है और कैसा फैलाना है। लेकिन आजसू के साथ दिक्कत ही यही है कि उसे जमीनी हकीकत का अंदाजा ही नहीं रहता। यहां पार्टी नहीं, लोग सर्वोपरि हैं।

### खींची हुई लकीर को लांघती रही पार्टी

वैसे ऑफर तो जयराम महतो के पास भी आया था, गठबंधन

### राजनीतिक चूक

### 2014 में रामटहल चौधरी के खिलाफ सुदेश का चुनाव लड़ना बड़ी राजनीतिक चूक

### गिरिडीह से सुदेश महतो के ससुर उमेशचंद्र मेहता को टाड़गर जगरनाथ महतो के खिलाफ खड़ा करना बड़ी भूल

### 2019 और 2024 में निर्मल महतो के भाई की पत्नी सबिता महतो के खिलाफ प्रत्याशी देना बड़ी चूक

का। और भी कई प्रलोभन दिये गये थे, लेकिन जयराम महतो ने उन सभी को ठुकरा कर एकला चलो की राह को चुना। वह खुद को टटोल रहे थे। इस विश्वासनासा चुनाव में अगर जयराम महतो गठबंधन कर लेते, तो उनकी सीटों की संख्या बढ़ जाती। और गठबंधन करने वाली पार्टी को भी फायदा हुआ होता। लेकिन जयराम महतो की यहां तारीफ करनी होगी कि वह डिगे नहीं। महत्वाकांक्षा होते हुए भी वह अपनी खींची हुई लकीर के विपरीत नहीं गये। यही अंतर है जयराम की पार्टी और आजसू में। आजसू पार्टी का कोई मानक नहीं है। इसलिए उससे समय-समय पर राजनीतिक चूक होती रही। भले जयराम की पार्टी ने कुल 71 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे मात्र एक सीट ही हासिल हो सकी, वह भी खुद जयराम महतो को। लेकिन विधानसभा चुनाव से मात्र दो दो महीने पहले रजिस्टर्ड हुई पार्टी ने भाजपा और आजसू की चूल्हें हिला दी। जयराम की पार्टी ने एनडीए को ऐसा धोखा कि कइयों का भविष्य दांव पर लग चुका है। वैसे जयराम ने सबसे बड़ा डेमैज किसी को किया है, तो वह है आजसू। जयराम की पार्टी ने आजसू को 10 में से सात सीटों पर गहरी चोट पहुंचायी है। सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, इचागढ़, मांडू, डुमरी और

जुगसलाई। यह अलग बात है कि मांडू सीट जैसे-तैसे 231 वोट से आजसू ने जीत ली, लेकिन सांस तो वहां भी फूली ही हुई थी। आजसू ने हमेशा अपनी खींची हुई लकीर को लांघने का प्रयास किया है। आजसू की सच्चाई यह है कि 25 सालों में वह मात्र 18 विधायक ही बना पायी। साल 2000 में 1, 2005 में 2, 2009 में 5, 2012 के उपचुनाव में 1(हटिया), 2014 में 5, 2019 में 2,

2023 के उपचुनाव में 1 (रामगढ़) और 2024 के विधानसभा चुनाव में मात्र 1 सीट पर आजसू सिमट गयी।

### आजसू से बाहर जाते ही जीत रहे प्रत्याशी

आजसू की आगे की राह भी कठिन दिखाई पड़ती है। आजसू को समझना होगा कि चूक कहाँ हो रही है। इस चुनाव में वह भी साबित हुआ जो प्रत्याशी आजसू में सालों से परफॉर्म नहीं कर पा रहे थे, दूसरे दल में जाते उन्होंने बेहतरीन रिजल्ट दिया। रोशन लाल चौधरी, जो लगातार तीन विधानसभा चुनाव से आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे और हार का रिकॉर्ड बना रहे थे, भाजपा में जाते ही 31 हजार से अधिक वोटों से जीत जाते हैं। उमाकांत रजक को ही ले लीजिये, वह भी आजसू में हार का रिकॉर्ड बना रहे थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने दल बदला और जेएमएम में शामिल हुए, 33 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज करते हैं। उन्होंने भाजपा के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को धूल चटा दी। अखिर ऐसा क्यों हो रहा है कि आजसू से बाहर जाते ही जीत रहे हैं प्रत्याशी।

### आजसू के बागियों ने भी खूब खेल किया

इस विधानसभा चुनाव में आजसू के बागियों ने भी खूब खेल किया है। जैसे हटिया, कान्के, बहरागोड़ा, चतरा, भवनाथपुर, बेरमो, डुमरी, चंदनकियारी, तमाड़, मनोहरपुर, जामताड़ा, हुसैनाबाद, टुंडी में आजसू के बागियों ने भी एनडीए का खेल बिगाड़ा है। सबसे बड़ा उदहारण उमाकांत रजक का है, जिन्होंने जेएमएम का दामन थामते ही भाजपा विधायक दल के नेता का खेल बिगाड़ दिया। उमाकांत रजक चंदनकियारी से चुनाव जीत गये।

## वैश्य मोर्चा के जिलाध्यक्षों, प्रकोष्ठ संगठनों की सूची जारी, शपथ ग्रहण आज समाज के लिए काम करेंगे वैश्य मोर्चा के पदाधिकारी : महेश्वर

**आजाद सिपाही संवाददाता**  
**रांची।** झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने शनिवार को 14 जिलाध्यक्षों एवं तीन प्रकोष्ठ संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही वैश्य मोर्चा में ओरमांडी के चतुर साहू को केंद्रीय वैश्य मोर्चा में शामिल किया गया है। रांची के चर्च रोड़ स्थित होटल राजधानी प्लाजा में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सूची जारी करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि वैश्य मोर्चा में सांगठनिक सुदृढ़ीकरण और संगठन विस्तार के तहत केंद्रीय समिति से लेकर प्रखंड स्तर पर अनुभवी और प्रतिबद्ध लोगों को जवाबदेही सौंपा जा रहा है। वैश्य मोर्चा समाज के लिए प्रतिबद्ध है। सभी पदाधिकारी काम



करेंगे। इन सभी पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों को आठ दिसंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष शपथ ग्रहण कराया जायेगा। रोहित कुमार साहू को रांची का जिलाध्यक्ष एवं कपिल प्रसाद साहू को रांची महानगर अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि शैलेनचंद्र मंडल को धनबाद का जिलाध्यक्ष और हीराताल मोदक को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

इसी तरह बसंत प्रसाद साहू को रामगढ़ का, राजकुमार मंडल को बोकारो का, सतीश जायसवाल को लोहरदगा का, सुनील प्रसाद साव को चाईबासा का, अजय मंडल को पूर्वी सिंहभूम का, अमीन मंडल को सरायकेला-खरसावां का, नरेश साव को चतरा का, अशोक वर्णवाल को कोडरमा का, उमाचरण साहू को गिरिडीह का, अनिरुद्ध मंडल को गोड्डा का एवं राजकुमार

बर्णवाल को देवघर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि प्रमोद चौधरी को संथाल परगना प्रमंडल का अध्यक्ष और गजेंद्र केशरी को महासचिव बनाया गया है। प्रकोष्ठ संगठनों में झारखंड वैश्य महिला मोर्चा का अध्यक्ष रेणु देवी (हरमू रोड़), कार्यकारी अध्यक्ष नम्रता सोनी (डोरण्डा) व दीपारानी कुंज (धुर्वा) एवं महासचिव पूनम जायसवाल (रांची) को बनाया गया है।

इसी तरह झारखंड वैश्य युवा मोर्चा का अध्यक्ष हलधर साहू (कान्के), उपाध्यक्ष करण मंडल (गोमिया), महासचिव दिवाकर कुमार (आनंदी) एवं सचिव आदित्य पोद्दार (सुकुरहुड़) को बनाया गया है, जबकि झारखंड वैश्य छात्र मोर्चा का अध्यक्ष युवराज कुमार (अरगोड़ा), उपाध्यक्ष रवि कुमार (कैरो), महासचिव युगेश प्रजापति (लोहरदगा), सचिव मनोज चौरसिया (गुमला) एवं प्रवक्ता कुमार चाणक्य (खूंटी) को बनाया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि झारखंड में मंत्रिमंडल गठन का काम भी पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चार से पांच बार आवेदन किया लेकिन फिर भी उनके खातों में

## कार्यालयों का चक्कर लगाने को मजबूर हैं मईयां सम्मान योजना की लाभुक: बाबूलाल

**आजाद सिपाही संवाददाता**  
**रांची।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मईयां सम्मान योजना को लेकर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग जिले सहित पूरे झारखंड में महिलाएं मईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि के लिए अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। मरांडी ने कहा कि 18 से 50 वर्ष की उम्र की विधवा, आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय महिलाएं, जो इस योजना के अंतर्गत आती हैं, उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा। कई महिलाओं ने चार से पांच बार आवेदन किया लेकिन फिर भी उनके खातों में



सम्मान राशि जमा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्रतिमाह 2500 रुपये देने का प्रावधान है लेकिन अधिकांश महिलाओं को राशि मिलना तो दूर, आवेदन स्वीकृति की स्थिति तक स्पष्ट नहीं है, इससे झारखंड की सभी माताएं बहनें परेशान हो रही हैं। कई मामलों में फार्म भरने और आवश्यक दस्तावेज देने के बावजूद योजना का लाभ नहीं मिला।

मरांडी ने कहा कि रामगढ़ जिले में भी स्थिति खराब है, जहां करीब 30 हजार महिलाओं को इस योजना की राशि अब तक नहीं मिली। प्रशासन की लापरवाही और प्रक्रियागत बाधाओं के कारण महिलाएं बार-बार कार्यालयों के चक्कर काट रही हैं। प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण माताएं बहनें दिनभर लाइनों में खड़ी रहती हैं लेकिन इसके बाद भी उन्हें केवल और केवल निराशा मिलती है। उन्होंने कहा कि भले ही योजना का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना था लेकिन सरकार की लापरवाही और देरी के कारण महिलाओं को मुश्किलों एवं सही क्रियायकों को मुश्किलों से आर्थिक रूप से परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

उसकी खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। याचिकाकर्ता ने मांग की कि जमीन सर्वे का काम पूरा करने के लिए समय सीमा तय की जाए। अदालत ने इस मामले में सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है।

चलकुशा में कार्यकर्ताओं ने विधायक अमित यादव का किया स्वागत



चलकुशा/हजारीबाग (आजाद सिपाही)। बरकट्टा विधानसभा से तीसरी बार जीत दर्ज करने के बाद पहली बार चलकुशा पहुंचने पर भाजपा विधायक अमित कुमार यादव को कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान विधायक श्री यादव ने सलेयडीह, चलकुशा, मानगो, सुदन, कटधरा, बरियौन, मसकेडीह, चौबे, खरगू, खारी, बेगमकी, अलगडीहा पहुंच कर लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह लोगों कि जीत है। जनता हम पर दुबारा विश्वास जताया है। क्षेत्र की जनता के लिए मैं सदा सुख-दुख में खड़ा रहूंगा। और आगे छुटे हू। अधूरे कार्य को पूरा करने का हर संभव प्रयास करूंगा। इस मौके पर सीकडो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

माइनिंग डे एनएमएल पकरी बरवाडीह में धूमधाम के साथ मनाया गया



बड़कागांव (आजाद सिपाही)। नौवीं कोल माइनिंग डे को एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट में धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव की शुरुआत परियोजना प्रमुख और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फैज तैयब द्वारा एनटीपीसी ध्वज फहराने के साथ हुई। तत्पश्चात उन्होंने एनएमएल द्वारा हासिल महत्वपूर्ण उपलब्धियों की चर्चा की और पकरी बरवाडीह परियोजना की सफलता में प्रत्येक कर्मचारी और विभाग के असाधारण योगदान की सराहना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एनएमएल और विशेष रूप से पकरी बरवाडीह की उपलब्धियां टीम वर्क और संघर्ष की ताकत का प्रतीक हैं। साथ ही, उन्होंने भविष्य के प्रति अपनी आशा व्यक्त करते हुए कहा, जब हम अगले वर्ष एनएमएल के दसवें स्थापना दिवस मनायेंगे तो मुझे विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों के साथ हम और भी बड़ी उपलब्धियों को एक टीम के रूप में हासिल करेंगे। सीकरी साइट स्थित प्रशासनिक भवन के समक्ष आयोजित यह कार्यक्रम कर्मचारियों को प्रेरित और उत्साहित करने का एक अवसर बन गया। जिससे एनएमएल में एकजुटता और साझा दृष्टिकोण की भावना को और भी मजबूती मिली। गौरतलब है कि आज से ठीक नौ वर्ष पूर्व पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना से जो एनटीपीसी की पहली कोयला खनन परियोजना है उससे पहली बार कोयला निकाला गया था जिसे अब कोल माइनिंग डे के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख फैज तैयब के अलावा विभागों के विभागाध्यक्ष और भारी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

बरकट्टा में यक्ष्मा उन्मूलन अभियान



बरकट्टा (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में सी दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन अभियान का उद्घाटन प्रमुख रेणु देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रत्ना रानी कुंज और संचालन बीटीटी प्रकाश पंडित ने किया। मौके पर प्रमुख रेणु देवी ने कहा कि यक्ष्मा ( टीबी) को भारत से मुक्त कराने के लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। उन्होंने उपस्थित सहिया लोगों को डोर टू डोर जागरूक लोगों को जागरूक करने की बात कही। वहीं प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ रत्ना रानी ने बताया कि भारत में यक्ष्मा मुक्त करने का संकल्प लिया गया। 24 मार्च को विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर टीबी रोग को लेकर विशेष अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि माइक्रो प्लान तैयार कर लिया गया है। इसके तहत टीबी को लेकर लोगों को जागरूक किया जायेगा। दो से तीन सप्ताह लगातार खांसी होने और खांसी के साथ खून आना, सांस फूलना, थकान जैसे लक्षण पर चिकित्सक से परामर्श लेकर दवा लेनी चाहिए। यक्ष्मा के लिए स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त जांच की सुविधा है। यक्ष्मा रोगी के लिए मुफ्त दवा और 1000 रुपए प्रोत्साहन राशि भी दी जायेगी। बताया गया कि 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। यह बीमारी एक से दूसरे में सांस के माध्यम से फैलता है, इसलिए जरूरी है कि ससमय जांच कराय जाये। इसके लिए सामाज में जागरूकता जरूरी है। मौके पर प्रमुख रेणु देवी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रत्ना रानी कुंज, एमओ डॉ राकेश्वर प्रसाद, पंसस युसुफ अंसारी, डॉ फातिमा बीबी, सोनी रविदास, प्रतिनिधि विदेश प्रसाद, मिथलेश भारती, दशरथ मोदी, लेखापाल भावेश सिंह, प्रकाश पंडित समेत सहित्य दीदी और अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल वैन यूनिट सेवा की शुरुआत



हजारीबाग (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए और जिला प्रशासन से निर्देश प्राप्त कर भारत के सीमेट निर्माता डालमिया सीमेट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) ने आज झारखंड के हजारीबाग में एक नई मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) लॉन्च की। यह यूनिट दूर-दराज के गांवों तक पहुंचकर जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं और संसाधन उपलब्ध करायेगी, जो आमतौर पर ऐसे क्षेत्रों तक पहुंच पाना मुश्किल होता है। इस पहल की शुरुआत मानव कल्याण के लिए काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था वॉकहार्ट फाउंडेशन के साथ मिलकर 100 दिवसीय एपेडिंक (टीबी) जागरूकता अभियान के साथ शुरू हुई। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को टीबी के प्रति जागरूक करना, उन्हें शिक्षित करना और स्क्रीनिंग के माध्यम से शुरुआती पहचान और समय पर उपचार को सुनिश्चित करना है। एमएम का उद्घाटन हजारीबाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और सिविल सर्जन, डॉ सरपू प्रसाद सिंह तथा इन्स्पेक्टरओं के सलाहकार, डॉ अरुण सेलिन्ग ने किया। यह यूनिट आसपास के पांच गांव पर, चूड़ी बरियातु, नवाखाल, गोपदा और डुमरी में टीबी जागरूकता और जांच सेवाएं प्रदान करेगी। इस मोबाइल यूनिट के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी।

दुष्कर्म की घटना के खिलाफ सेविका सहायिकाओं का आक्रोश-प्रदर्शन

न्याय की मांग को लेकर समाहरणालय पर जमकर नारेबाजी की

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। आंगनबाड़ी सेविका के साथ दुष्कर्म की घटना के खिलाफ सेविका सहायिकाओं ने आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन कर न्याय की मांग को लेकर समाहरणालय पर जमकर नारेबाजी की। इससे पूर्व आंगनबाड़ी यूनिनयन की जिलाध्यक्ष शोभा प्रसाद और जिला सचिव वर्षा रानी के नेतृत्व में अंबेडकर पार्क से समाहरणालय तक सीटू और झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनिनयन के बैनर तले जुलूस निकाला गया। जुलूस में आक्रोशित सेविका सहायिकाओं द्वारा बलात्कारी अपराधी को फांसी दो, कामकाजी महिला को सुरक्षा कैसे मिलेगा। अपराधियों में कानून का खौफ नहीं है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सरकार का नारा झूठा है। सीटू के जिला सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि प्रशासन को शर्म आना चाहिए कि जिला मुख्यालय से दो किलोमीटर की दूरी पर काम करने वाली महिला सुरक्षित नहीं है। घटना के दिन पण्डिता का मेडिकल जांच नहीं होना पुलिस प्रशासन की लापरवाही साफ झलकता है।



की सेवा महिला और बाल विकास विभाग के द्वारा संचालित होता है और उसी आंगनबाड़ी केंद्र में काम करने वाली महिला सुरक्षित नहीं है, तो आम महिलाओं को सुरक्षा कैसे मिलेगा। अपराधियों में कानून का खौफ नहीं है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सरकार का नारा झूठा है। सीटू के जिला सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि प्रशासन को शर्म आना चाहिए कि जिला मुख्यालय से दो किलोमीटर की दूरी पर काम करने वाली महिला सुरक्षित नहीं है। घटना के दिन पण्डिता का मेडिकल जांच नहीं होना पुलिस प्रशासन की लापरवाही साफ झलकता है।

आंगनबाड़ी यूनिनयन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी ने कहा कि आये दिन सरकार के द्वारा बीएलओ से लेकर अन्य कई तरह के कामों में लगाया जाता है, जिसमें देर शाम तक काम करना पड़ता है। जिसमें हमलोग असुरक्षित महसूस करते हैं। जिस प्रकार से हमारी आंगनबाड़ी परिवार की बहन के साथ यह घटना हुई है, उससे हमें अब डर महसूस होने लगा है। आंदोलन को झारखंड राज्य किसान सभा के संयुक्त सचिव असीम सरकार ने भी समर्थन किया। प्रदर्शन उपरांत पुलिस अधीक्षक के नाम 6 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया जिसमें मुकदमा की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर

अपराधी को कठोर से कठोर सजा देने, पण्डिता को समुचित मुआवजा देने, आंगनबाड़ी सेविका सहित सभी कामकाजी महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने आदि मांगें शामिल है। सुनीता सिंह, शकुन्तला मेहता, मंजु मेहता, कविता यादव, कुमारी अनामिका, दीपा, संध्या वर्णवाल, मंजु देवी, आशा देवी, सुनीता देवी, देवती, गुंजा, संध्या, रीता, रेखा, प्रभा, पुनम, रामदुलारी, कोमन रानी, संजु, संगीता, रूमी खानम, मुशरत, नासरीन, सरवरी खातुन, रंरनुम, शीला, रीना, पिंगी, कांति, निर्मला, गावत्री, कंचन, गीता, मीणा, किरण, श्रुति, ललिता देवी, मीना सहित काफी संख्या में सेविका सहायिका मौजूद थी।

एडीआरएम के निरीक्षण में यात्री सुविधाओं में सुधार पर जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

झुमरीतिलैया। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर एडीआरएम (अपर मंडल रेल प्रबंधक) विनोत कुमार और अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान यात्री सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की गयी। टिकट और अन्य सेवाओं के लिए क्यू आर कोड के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया, क्योंकि फिलहाल यात्रियों में इसकी जागरूकता कम है। अधिकारियों ने बताया कि पीआरएस (पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम) और यूटीएस (अनरिजर्व्ड टिकट सिस्टम) काउंटर पर क्यू आर कोड उपलब्ध हैं, लेकिन यात्रियों को इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। निरीक्षण के दौरान पे एंड यूज शौचालय



और पार्किंग के लिए पिछले बार के निरीक्षण में दीवारों पर दर्े नहीं लिखी पायी गयीं थी जो इस बार पाया गया। इससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकेगा। गोड्डा से दिल्ली के अलावा अन्य ट्रेनों के लिए भी कोडरमा स्टेशन पर पांच मिन्ट का ठहराव सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि इससे पार्सल माले के परिवहन में वृद्धि होगी और रेलवे का राजस्व भी बढ़ेगा। उन्होंने जानकारी दी कि पार्सल से

राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना हो चुका है, जो इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। वहीं प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बंद पड़े खाने-पीने के चार स्टॉलों के लिए नया टेंडर जल्द जारी होगा। डीवीसी (दामोदर वैली कॉरपोरेशन) से पाइपलाइन के माध्यम से स्टेशन पर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की गयी है। प्लेटफॉर्म पर अब पर्याप्त पानी उपलब्ध है और जल्द ही रेलवे कॉलोनी में भी पानी की आपूर्ति शुरू होगी।

लाभुकों को पूरा रशान देने का उप प्रमुख ने दिया निर्देश



हजारीबाग (आजाद सिपाही)। सदर प्रखंड के उप प्रमुख रविकर्त सिंह ने जनविहरण डुणली (पीडीएस) की दुकानों पर हो रही अनियमितताओं पर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि लाभुकों को पूरा रशान मुहैया कराना दुकानदारों की जिम्मेदारी है। यदि रशान वितरण में कमी या कालाबाजारी की शिकायतें सत्यापित होती हैं, तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। रविकर्त सिंह ने यह भी कहा कि संपन्न परिवारों द्वारा गलत तरीके से रशान काई बनवाकर गरीबों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। ऐसे मामलों की जांच कर, दोषियों पर जल्द ही कार्रवाई की जायेगी। प्रखंड के विभिन्न पीडीएस दुकानों से लाभुकों का हनन लगातार मिल रही है कि उन्हें निराश्रित मात्रा से कम रशान दिया जा रहा है। इस पर उप प्रमुख ने अधिकारियों को सख्ती से जांच करने का आदेश दिया और दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस प्रकार की गड़बड़ियां बर्दश्त नहीं की जायेंगी।

सीबी कोल माइंस में निरीक्षण दिवस समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

केरेडारी। एनटीपीसी की सीबी कोल माइंस में आयोजित खान सुरक्षा सप्ताह 2024 के उपलक्ष्य में चूड़ी बरियातु कोयला खनन परियोजना में निरीक्षण दिवस का आयोजन धोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर टीम ने सीबीसीएमपी का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में डीएमएस रत्नाकर सुंकी और आइएसओ पर्यवेक्षक अशोक कुमार भी उपस्थित थे। इस मौके पर नवीन गुप्ता, चूड़ी बरियातु कोयला खनन परियोजना भी मौजूद थे। समारोह के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन



किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई जिसके बाद सुरक्षा की शपथ ली गयी। इस दौरान विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये। सुरक्षा के महत्व को उजागर करने के लिए एक नुककड़ नाटक का मंचन किया

गया जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार वितरण किया गया ताकि उनकी मेहनत और समर्पण को सराहा जा सके। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद टीम

ने खदानों का दौरा किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी सम्माननीय व्यक्तियों ने दृश्यों के बीच पौधरोपण भी किया जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता व्यक्त हुई। यह समारोह कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ और खदानों में सुरक्षा की उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। यह सुरक्षा सप्ताह 2024, 04 दिसंबर से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा और इसमें विभिन्न गतिविधियां कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता और उत्साह को और बढ़ावेंगी।

सीमा सुरक्षा बल के 365 नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण पूरा कर दीक्षांत परेड में हुए शामिल

सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल, हजारीबाग के बैच संख्या 167 और 168

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल मेरु स्थित रानी झांसी परेड ग्राउंड में शनिवार को सीमा सुरक्षा बल के 365 नवआरक्षकों (सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल, हजारीबाग के बैच संख्या 167 और 168) 44 सप्ताह के कठिन परिश्रम, लानन और साधना के पश्चात बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत परेड में शामिल हुए। कमलजीत सिंह बनयाल, महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केंद्र और विद्यालय और



सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल, हजारीबाग ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत परेड की सलामी ली। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, लोक प्रतिनिधि सहित संस्थान के अन्य अधिकारीगण और नवआरक्षकों के परिजन

उपस्थित रहे। दीक्षांत परेड में शामिल 365 नवआरक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज के समक्ष सविधान की शपथ ली और राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाये रखने के लिए खुद को समर्पित करने का प्रण लिया। बतौर मुख्य अतिथि कमलजीत सिंह बनयाल, महानिरीक्षक,

प्रशिक्षण केंद्र, विद्यालय और सहायक प्रशिक्षण केंद्र सीमा सुरक्षा बल हजारीबाग ने अपने संबोधन में नवआरक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि आज के दीक्षांत परेड के बाद वे औपचारिक तौर पर, सीमा सुरक्षा बल में, कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रथम कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने नवआरक्षकों के माता-पिता और परिजनों को भी बधाई देते हुए कहा की आपने-अपने सपनों को सीमा सुरक्षा बल में भेजकर राष्ट्र-सेवा के कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने सहायक प्रशिक्षण केंद्र के कुशल अनुदेशकों की टीम को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सराहना की।

भारी वाहन नो एंट्री का कर रहे हैं उल्लंघन



बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव मुख्य चौक में भारी वाहनों के द्वारा नो एंट्री समय का, खूब उल्लंघन हो रहा है। इन भारी वाहनों के कारण बड़कागांव में आये दिन बड़ी दुर्घटनाएं होते रही है। जिसमें अब तक कई लोगों की जाने भी गयी है। परंतु प्रशासन मुकदर्शक बनी हुई है। जो काम प्रशासन को करना चाहिए उस काम को स्थानीय ग्रामीण सड़क पर उतरकर अपने हाथों में ले लिया है, और नो एंट्री के समय में आवागमन कर रहे भारी वाहनों को रोक कर पुलिस के हवाले किया जा रहा है। इतना ही नहीं लोगों को नो एंट्री को लेकर जागरूक भी किया जा रहा है। ग्रामीण और व्यापारी वर्ग के लोगों का कहना है कि अहले सुबह से ही बच्चे दयूशन और अपने-अपने शिक्षण संस्थान अध्ययन के लिए आना जाना करते हैं। नो एंट्री के समय में भारी वाहनों के प्रवेश होने से विद्यार्थियों के साथ बड़ी दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी रहती है। ये भारी वाहन दिन में भी बेपरवाह होकर बड़कागांव के भारी आबादी वाली सड़क से होकर गुजरता रहता है। जिस कारण दिन में काफी लंबी सड़क जाम की समस्याओं से ग्रामीणों को जूझना पड़ता है। इस दौरान कई बार लंबे समय तक मरीज लें जा रहे एंबुलेंस को भी जाम छूटने का इंतजार करना पड़ता है। इसलिए नो एंट्री का शक्ति से पालन के लिए पुलिस प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ताकि आम ग्रामीण या विद्यार्थी को बड़ी वाहनों के चपेट में आने व दुर्घटना से बचाआ जा सके। बड़कागांव मध्य पंसस रितेश ठाकुर और सिविल सोसाइटी बड़कागांव के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने पुलिस प्रशासन से, भारी वाहनों के द्वारा हो रहे नो एंट्री के उल्लंघन पर विशेष ध्यान देने की अपील की है।

विद्यार्थियों को दिया गया शिक्षा किट



इचाक (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के द्वारा बच्चों के बीच शत प्रतिशत साक्षरता दर बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के बीच कई जगरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसी के तहत इचाक प्रखंड अंतर्गत उत्कमित मध्य विद्यालय, डाढा में शनिवार को कक्षा 6 से 8 तक 114 विद्यार्थियों के बीच विद्यालय किट योजना के अंतर्गत शिक्षा सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया। किट में बैग और कांठी शामिल है। इस दौरान डाढा पंचायत के मुखिया प्रतिपक्ष दयानंद मेहता ने कहा कि वर्तमान समय में मानव जीवन के लिए शिक्षा अति महत्वपूर्ण है। बच्चे शिक्षा से जुड़कर उज्जवल भविष्य बना सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय अध्यक्ष टिकेश्वर प्रजापति, चित्तरंजन दास, सहायक अध्यापक उर्मिला कुमारी, मनोज कुमार, सत्यनारायण दास के अलावे विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य गण मौजूद थे।

यक्ष्मा उन्मूलन अभियान शुरू



केरेडारी (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केरेडारी में यक्ष्मा टीबी रोग उन्मूलन अभियान की शुरुआत शनिवार की गयी। आज से अब अगले सी दिनों तक यक्ष्मा टीबी रोग के प्रति लोगों को सतर्कता और इससे बचाव के लिए उपाय के प्रति जागरूक किया जायेगा। इस अवसर पर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशनलाल चौधरी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा की यक्ष्मा टीबी रोग से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि समय पर इलाज करवाने और सतर्कता बरतने की जरूरत है। आगे कहा की चिकित्सक भगवान का रूप होते हैं आप सबों को ईमानदारी पूर्वक वही प्रमुख सुनीता देवी ने विधायक रोशनलाल चौधरी से क्षेत्र में कोल कंपनियों की भरमार और इससे प्रभावित होकर विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रखंड स्तर पर बृहद रूप बैठक कर रणनीति बनाने की बात कही। इस पर विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा की बहुत जल्द एक बैठक आयोजित किया जायेगा। जिसमें क्षेत्र की समस्याओं के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा कर आगे की रणनीति बनायी जायेगी। मौके पर प्रमुख सुनीता देवी, उपप्रमुख अमेरिका महतो, पंकज साहा, कर्मचारी साव, नरेश महतो, अमित प्रसाद गुप्ता, अशेश्वर यादव, प्रीतम साहू सहित कई लोग मौजूद थे।

सफलता पर अभिषेक सोनी को दी बधाई

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड निवासी



व्यवसायिक एतवारी स्वर्णकार के पुत्र अभिषेक सोनी ने झारखंड सीजीएल में फाइनल क्वालीफाई कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बरकट्टा विधानसभा के निर्दलीय उम्मीदवार रहे सुरेन्द्र प्रसाद मोदी ने अभिषेक सोनी को मुंह मीठा कराया और उसके उज्जवल भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। हमारी कामना है कि वह जीवन में खूब तरक्की करे और अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करे। बधाई देने वालों में शशिकांत प्रसाद, विनोद सिंह, सतीश पांडेय, अमरदीप शर्मा, सुभाष स्वर्णकार, गौतम सिंह, डॉ मुकेश पांडेय, संतोष साव, शिवशंकर राणा, विनोद साव, उदय शंकर पासवान, प्रकाश वर्मा, मनोज वर्मा सहित दर्जनों लोगों ने बधाई दिया है।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में वॉल पेंटिंग कार्यक्रम

कोडरमा (आजाद सिपाही)। सेक्रेड हार्ट स्कूल में वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों के द्वारा क्लास रूम के अंदर और बाहर की दीवारों पर कई तरह की तस्वीर बनायी गयी। इन तस्वीरों में कार्टून कॉनर से लेकर महापुरुषों, पर्यावरण सुरक्षा, सेव द प्लांट, सेव द अर्थ जैसे महत्वपूर्ण तस्वीर बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। मुख्य अतिथि के रूप में कैपिटल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर प्रमोद कुमार थे। उन्होंने बच्चों द्वारा की गयी वॉल पेंटिंग का निरीक्षण किया और काफी सराहा। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय के बच्चे और अप्रतिम प्रतिभा के धनी हैं। यह खुशी की बात है कि यहां का स्कूल मैनेजमेंट बच्चों को उनकी हर तरह की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करता है। इसके पहले विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद शर्मा ने उनका स्वागत बुके देकर किया। कार्यक्रम में शिक्षिका कुंतल जेटवा, मनोज सिंह, सपना शर्मा, पूजा सलुजा, सरोज पांडेय, रुबी वर्मा, पट्टर करण केडी, प्रियंका सिंह, रंजीता मिश्रा, दीक्षा सिंह, रेखा राणा, अलका सिंह, सुपर्णा डे, मरियम हसन, अनुष्का शर्मा, लता सिन्हा बच्चों में सना परवीन, पायल, नयन, साक्षी, सोनाक्षी कुमारी, शेफा नाज, आध्या, तेजस्वी, वर्तिका कुमारी, अंजलि कुमारी, अनवी कुमारी, अंजलि कुमारी, गौरी कुमारी, आमना बहादुर, जजबल फातिम, नैतिक राज, अमिताकरण, रेहान अंसारी, मोटि, साक्षी राज, श्रुति, पीहू, उत्तम, प्रत्युषा शर्मा सहित अन्य बच्चों का विशेष योगदान रहा।

उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया लक्ष्मणपुर भेड़ी फार्म डैम का निरीक्षण



चतरा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त रमेश घोलप ने उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा और प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो के साथ चतरा सदर प्रखंड क्षेत्र के चर्चित पिकनिक स्पॉट लक्ष्मणपुर भेड़ी फॉर्म का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान शौचालय की व्यवस्था पेयजल, साफ सफाई समेत अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। मौके पर पूर्व में सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार कार्य करने वाले संवेदक को निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है रहने के कारण उसका मरम्मती और रंग रोगन जल्द से जल्द कराना सुनिश्चित करने और प्रखंड विकास पदाधिकारी को शौचालय और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही वोटिंग की भी सुविधा प्रारंभ करने समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके अलावे उपायुक्त ने लक्ष्मणपुर भेड़ी फॉर्म डैम में सेल्फी प्वाइंट भी बनाने पर भी जोर दिया।

भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ जुगेश दास ककहिया गांव पहुंचे



कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के कुंदा पंचायत अंतर्गत ककहिया गांव में शनिवार को भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ जुगेश दास पहुंचे। उन्होंने वन विभाग द्वारा घरों को तोड़े जाने का विरोध किया और कहा कि गरीबों के साथ अत्याचार किया गया है। साथ ही ग्रामीणों द्वारा कुछ बच्चे बीमार होने की बात की जानकारी मिलते ही इन्होंने अंचलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा को टेलीफोन नंबर पर संपर्क कर स्वास्थ्य विभाग को ककहिया गांव भेजने को कहा। जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंचकर बीमार लोगों को स्वास्थ्य चेकअप कर दवा दिया। उन्होंने गांव वाले को हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। मौके पर भीम आर्मी कार्यकर्ता संजय दास, समाज सेवी सह आजाद समाज पार्टी के जिला उप सचिव मनोज कुमार,समेत कई गांव वाले उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को दिया गया स्टेटर



हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार यादव द्वारा शनिवार को जोरी आंगनबाड़ी केंद्र में 80 बच्चों के बीच गरम पोशाक (स्वेटर) का वितरण किया गया। पोशाक मिलने पर बच्चों में खुशी देखी गयी। प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि ने आंगनबाड़ी सेविका को समय से बच्चों को बीच पोषाहार वितरण करने और केन्द्र को सुचारु रूप से खोलना समेत अन्य निर्देश दिया। इस मौके पर आंगनबाड़ी सेविका मीना देवी सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जल्द

कुजु (आजाद सिपाही)। रामगढ़ एसडीएम अनुराग कुमार तिवारी ने शनिवार को पैकी नदी में छापामारी अभियान चलाकर अवैध रूप से बालू लाद रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। साथ ही, उसे जब्त कर कुजु पुलिस को सौंप दिया। बताया जाता है कि क्षेत्र में प्रतिदिन अवैध रूप से बालू का कारोबार जारी है। जिसे क्षेत्र में कई जगहों पर अवैध भंडारण कर ऊंचे दामों पर बालू तस्करों द्वारा बेचने का खेल जारी है। तस्कुर रोजाना अहले सुबह गिद्दी, ललपनिया और चैनपुर की तरफ से दर्जनों ट्रैक्टर बालू मंगवाते है। साथ ही, भंडारण किये बालू को अहले सुबह में गंतव्य को भेज देते है।

तोपा में मना सीसीएल खान सुरक्षा सप्ताह



कुजु (आजाद सिपाही)। सीसीएल तोपा परियोजना का 67वां सीसीएल खान सुरक्षा सप्ताह तोपा सामुदायिक भवन में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ ज्योत जलाकर किया गया। इसके बाद सीसीएल का कॉरपोरेट गीत बजाया गया। वहीं, परियोजना के मृत कर्मियों के लिए एक मिम्ट का मौन रखा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रांची मुख्यालय से आये जांच टीम में डीडीएमएस मैकेनिकल रवींद्र बोनथा, आइएससो से प्रियंका प्रसाद, झारखंड परियोजना के पीओ ललन कुमार राय, मैनेजर दीपक कुमार, शशि भूषण कुमार, प्रोजेक्ट इंजिनियर सीरम तिवारी, कोशलेंद्र कुमार, बसंत राम, सतीश खेरवार मौजूद रहे। अपने संबोधन में डीडीएमएस रवींद्र बोनथा ने कहा कि खदानों में कर्मियों के लिए प्रत्येक दिन एक चुनौती भरा होता है। सुरक्षा सप्ताह में उन चुनौतियों से निपटने की तैयारी की जांच की जाती है। इससे पूर्व, परियोजना प्रबंधन द्वारा अतिथियों का आरती कर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान तोपा परियोजना के विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सीसीएल कर्मियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात जांच टीम ने तोपा परियोजना के खुली खदान का अवलोकन किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में सीसीएल कर्मी मौजूद रहे।

उप मुखिया ने सड़क पुल का किया निरीक्षण



कुजु (आजाद सिपाही)। कुजु पूर्वी पंचायत की उपमुखिया कुमारी नीलम ने पंचायत अंतर्गत कसेराधोड़ा से तीन नंबर तक करीब एक करोड़ रुपए की लागत से बन रहे सड़क और पुलिया निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संवेदक रोहित चौधरी को पुन निर्माण कार्य में गुणवत्ता पूर्ण कार्य का आदेश दिया। वहीं, कुमारी नीलम ने कहा कि पंचायत में बेहतर कार्य कराना हमारा संकल्प है।

कोयला तस्करों पर हुई बड़ी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

एसपी की क्यूआरटी टीम ने रजरप्पा और गोला थाना क्षेत्र में की छापेमारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिले के रजरप्पा और गोला थाना क्षेत्र में कोयला तस्करों की सक्रियता लगातार पुलिस को चुनौती दे रही थी। रामगढ़ एसपी अजय कुमार के द्वारा बनायी गयी क्यूआरटी टीम ने शुक्रवार की रात छापेमारी कर कोयला तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। रजरप्पा थाना क्षेत्र से कोयला लादकर गोला थाना क्षेत्र से पास कर रहे कोयला लदी गाड़ियों को जब्त किया गया और चार तस्करों



को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की पुष्टि रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने की। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गयी और यह बड़ी सफलता मिली है। छापेमारी के दौरान गोला थाना के भैरवी पुल के समीप कांटा घर से अवैध

पुलिस को चकमा देकर कर रहे थे तस्करी

बीते कई दिनों से रजरप्पा और गोला थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से लगातार कोयला तस्करी की सूचना मिली थी। इन थाना क्षेत्र से अवैध कोयले का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। एक लंबा सिण्डिकेट इस तस्करी को अंजाम दे रहा था। एसपी की स्पेशल टीम द्वारा कार्रवाई के बाद संभावना जतायी जा रही है कि तस्करों को चिन्हित कार्रवाई की जायेगी।

कोयला लदा पिकअप वैन जेएच 01 एटी 6531 को जप्त किया गया। साथ ही साथ इस कारोबार को संचालित कर रहे चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। इनकी गिरफ्तारी के बाद स्पेशल टीम ने जप्त गाड़ी और गिरफ्तार तस्करों को गोला पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद स्पेशल टीम द्वारा

रजरप्पा थाना क्षेत्र के मंदिर घाट के समीप छापेमारी की गयी जहां पर भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया गया। साथ ही साथ इन कोयला को वजन करने के लिए वेट मशीन को जब्त किया। छापेमारी संपन्न होने पर इसकी सूचना रजरप्पा पुलिस को दी गयी।

सिखों के नौवें गुरु श्री तेग बहादुर का शहीदी दिवस गुरुद्वारा साहिब में मना

चिंता ताकी कीजिये जो अनहोनी होय...

कार्यक्रम में प्रसिद्ध रागी भाई बलदेव सिंह बुलंदपुरी ने मधुर शब्दों का गायन कर साध संगत को निहाल किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शहर म मेन रोड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में शनिवार को सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस मनाया गया। इसे लेकर गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाया गया। इस दौरान स्त्री सत्संग द्वारा विशेष दीवान का शुभारंभ संध्या 6 से होकर रात्रि 10 बजे समापन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध रागी भाई बलदेव सिंह बुलंदपुरी ने मधुर शब्दों का गायन कर साध संगत को निहाल किया। श्री गुरु तेग बहादुर के शहीदी गुरु पर्व को लेकर एक दिन पहले गुरुद्वारा



साहिब से प्रभात फेरी भी निकल गयी थी। गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी बाबा गुरजीत सिंह ने अपने वचनों से संगत को शहीदी की गुरु सीख की राह बताया। चिंता ताकी कीजिये जो अनहोनी होय, नह निंदिआ नहिं उसतति जाके लोभ मोह अभिमाना। हरख सोग ते रहै निआरऊ नाहि मान अपमाना। वहीं अरदास के साथ ही दीवान की समाप्ति हुई। इसके उपरांत अवसर गुरुद्वारा साहिब में अटूट लंगर चलाया गया। कार्यक्रम में स्त्री

सत्संग की प्रधान बलचंदर कौर छाबड़ा, मित प्रधान परमजीत कौर, बबली सोनी, रोमी छाबड़ा, सुमी जौली, नवल मल्होत्रा, पम्मी कौर, चरणजीत जौली, सुमी जौली, गुरबख्शा कौर, रंजीत कौर, मनप्रीत कौर सैनी, गुरबख्शा कौर, बलचंदर कौर, सतचंदर कौर शामिल हुई। कार्यक्रम में रामगढ़ गुरुद्वारा परमदीप सिंह कालरा, अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, चंकल कालरा, जोगिंदर सिंह जग्गी, प्रीतम सिंह कालरा,

रघुवीर सिंह, जसचंदर सिंह सलूजा, रविंदर सिंह छाबड़ा, त्रिलोचन सिंह जस्सल, कुलजीत सिंह कालरा, इंद्रजीत सिंह होरा, रमन सिंह कोहली, कशिश छाबड़ा, शरद चमन, अंकित कालरा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, पुष्पेंद्र सिंह छाबड़ा, गुरदीप सिंह सैनी, राजू कालरा, विककी छाबड़ा, अंगद चंडोक, हरेंद्र छाबड़ा, गुरप्रीत चाना, हरपाल सिंह अरोड़ा, शतप्रीत सिंह मिट्टू, राजू छाबड़ा, रॉरेंद्र सिंह चमन, गुरप्रीत सिंह, बबलू छाबड़ा, जगजीत सिंह, रिटू छाबड़ा, पप्पू जस्सल, कुलवंत सिंह मारवाह, रणजीत सिंह, हरजीत सिंह, रोमी छाबड़ा, जगजीत सिंह जग्गी, अंगद चंडोक, इकबाल सिंह, पुष्पवी पाल सिंह चंदेल, जसकीरत भाटिया, जगजीत सिंह, नीतू सिंह जस्सल आदि उपस्थित थे।

बीजीआर कंपनी ने कुंडी में खोला कैप कार्यालय

टंडवा(आजाद सिपाही)। संघमित्रा कोल परियोजना में कोयला खनन का ठेका लेने वाली बीजीआर कंपनी ने अपना कैप कार्यालय कुंडी मगध कार्यालय के समीप खोली है। कंपनी के भानू रेड्डी ने पूजा-अर्चना कर कार्यालय का शुभारंभ किया। मालूम हो कि मगध संघमित्रा क्षेत्र अंतर्गत संघमित्रा परियोजना में टंडवा और बालुमाथ थाना क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांव की जमीन अधिग्रहित की गयी है। उक्त परियोजना का ठेका एमडीओ मोड में 25 वर्ष के लिए बीजीआर को दिया गया है। उक्त परियोजना से प्रतिवर्ष 20 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य है। परियोजना विस्तार में 2254 हेक्टेयर जमीन प्रस्तावित है इस अवसर पर संघमित्रा परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार सिंह, भानू रेड्डी सत्यनारायण रेड्डी, भीम साहू, राजेश साव, सीताराम साहू, हुलासी साहू, जुगेश्वर साहू, विकास आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं के लिए जल्द निर्माण कराया जायेगा भवज: नवनीत कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति नवनीत कुमार शनिवार को व्यवहार न्यायालय रामगढ़ पहुंचे। इस दौरानउनसे जिला अधिवक्ता संघ का एक प्रतिनिधिमंडल संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल की अध्यक्षता में मुलाकात किया। मौके पर अधिवक्ताओं ने भवन निर्माण और अन्य सुविधाएं बहाल करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जिला अधिवक्ता संघ व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ मिलकर न्यायिक कार्य का त्वरित निष्पादन कर रहे हैं। इस अवसर पर न्यायमूर्ति नवनीत कुमार ने संघ को भरोसा दिलाया कि संघ के



भवन के बाबत पत्राचार होने पर शीघ्र ही अधिवक्ताओं के बैठने के लिए उचित भवन का निर्माण किया जायेगा। साथ ही अधिवक्ताओं को होने वाली अन्य परेशानियों का भी निदान शीघ्र किया जायेगा। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार दुबे, जिला

अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष ऋषि महतो, महासचिव सीताराम, अधिवक्ता प्रकाश सिंह, बहादुर महतो, अनुज सिंह, राजकुमार अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, मोहन खान, विकेश कुमार, नौशाद अहमद जिलानी, राजेंद्र महतो, झलकदेव महतो, अभिषेक दराद और अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

सरकारी जमीन हेराफेरी मामले में प्रतापपुर के तत्कालीन अंचल अधिकारी पर गिरी गाज दाखिल खारिज के मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। विभागीय कार्य के प्रति लापरवाह और अनुशासनहीन कई पदाधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध उपायुक्त रमेश घोलप द्वारा प्राथमिकी दर्ज करते हुए विभागीय कार्रवाई किया जा चुका है। इसी क्रम में तत्कालीन प्रतापपुर अंचल अधिकारी नित्यानंद दास के विरुद्ध पूर्व से उजागर जमीन के हेरफेर मामले, सरकारी नियम के विरुद्ध सरकारी जमीन का गलत तरीके से ऑनलाइन करने, गलत तरीके से एक मुश्त रसीद काटने और स्वेच्छाचारिता, मनमानेपन, अनुशासनहीनता और कार्य के प्रति लापरवाही विरुद्ध गठित आरोपों के आलोक में प्रपत्र क का गठन करते हुए विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की अनुशंसा की गयी है। उपायुक्त ने कहा कि तत्कालीन अंचल अधिकारी के इस तरह का रवैया

राजस्व उपनिरीक्षक नारायण झा का क्या है पूरा मामला

प्रतापपुर अंचल के राजस्व उपनिरीक्षक नारायण झा के द्वारा जमीन का दाखिल खारिज के नाम पर अवैध राशि की वसूली से संबंधित सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के आलोक में उपायुक्त रमेश घोलप द्वारा मामले को सेंज्ञान में लेते हुए जांच टीम की गठन की गयी थी। प्रतापपुर प्रखंड के बभने गांव की आवेदिका द्वारा दाखिल खारिज कराने के नाम पर राशि की लेन देन के आरोप की जांच के दौरान तत्कालीन सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुरेंद्र उरांव द्वारा 16 अगस्त 2024 को नारायण झा राजस्व निरीक्षक प्रतापपुर अंचल से घटना स्थल उनके सरकारी आवास पर जाकर उनसे पुछताछ की गयी। पुछताछ के क्रम में राजस्व निरीक्षक द्वारा यह स्वीकार किया गया कि उक्त दाखिल खारिज के एक्ज में पैसे



की लेन देन से संबंधित जो वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है वह इसी जगह का है और इस वीडियो में मैं ही हूं। मेरे द्वारा ही पैसे की गणना की जा रही है। जांच के क्रम में यह भी पाया गया कि झा प्रश्नगत भूमि से संबंधित हल्का के राजस्व उपनिरीक्षक भी नहीं है। झा द्वारा उक्त संबंधित हल्का के राजस्व उपनिरीक्षक नहीं रहने के बावजूद दूसरे हल्का का कार्य करने,

दाखिल खारिज कराने के एक्ज में अंचल के अन्य कर्मी, पदाधिकारी और अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता की भी संभावना प्रतीत होती है। उक्त आलोक में सरकारी कार्य करने के एक्ज में पैसे का लेन देन करने, पैसे की अवैध राशि की वसूली करने के आरोप में नारायण झा राजस्व उपनिरीक्षक, अन्य संलिस कर्मी, पदाधिकारी और संलिस व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए सुसंगत धाराओं के तहत विधि-सम्मत कानूनी कार्रवाई की गयी है। इसी मामले में राजस्व निरीक्षक नारायण झा के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। जिसपर अभियोजन स्वीकृति दे दी गयी है। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत किसी भी अंचल से प्राप्त होती है तो संलिस अधिकारियों/कर्मियों को बिलकुल ही बख्शा नहीं जायेगा।

झारखंड सरकारी सेवक आचार

नियमावली-2001 के नियम के

प्रतिकूल है।

गोमिया को विकसित और मॉडल विधानसभा बनाना मेरा पहला मकसद है : मंत्री योगेंद्र



रजरप्पा (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार में नये मंत्रिमंडल का विस्तार के बाद विभाग का बटवारा मिलने के पश्चात झारखंड के मंत्री बनने पर दर्जनों अलग-अलग स्थानों से कई संगठन से जुड़े बुद्धिजीवी मंच, स्वयंसेवी संस्था, नेता कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी सिद्धांत का प्रतीक चिन्ह देखकर बधाई दिया, झारखंड सरकार के विभागीय मंत्री बनने पर माला पहनाकर बुके देकर बधाई और शुभकामनाएं दी गयी। सुबह से ही पैतृक आवास पर मिलने के लिए लगातार लोगों का तांता लगा रहा, झामुमो कार्यकर्ताओं ने भी खुशी जाहिर किया मुरुबंदा गांव पहुंचकर बधाई और शुभकामना देने वाले भारी संख्या मे लोग पहुंचे मुख्य रूप से चतरो चट्टी, बमदा गोमिया साडम, तेनुघाट लातपनिया, गोमिया, पेटरवार, कसमारा सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों लोग रामगढ़ चितरपुर प्रखंड में स्थित पैतृक आवास मुरुबंदा पहुंचे बधाई दें रहें है, इस अवसर पर पेयजल स्वच्छता और उत्पाद विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया, इस दौरान मंत्री योगेंद्र ने कहा कि गोमिया विधानसभा में पड़ने वाले पास पड़ोस के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया कराना होगा हमारी प्राथमिकता, झारखंड के गोमिया विधानसभा को एक विकसित विधानसभा बनाना मेरा लक्ष्य है मॉडल तर्ज पर गोमिया का होगा विकास पेयजल स्वच्छता मंत्री ने कहा कि सभी ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल घर-घर तक पहुंचाना है। ग्रामीण क्षेत्र की मूलभूत समस्या सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा स्वास्थ्य को दुरुस्त करना सुदूरवर्ती इलाकों में सड़कों का जाल बिछाया जायेगा, मकसद, इस मौके पर कई संगठन के लोगों ने मंत्री के स्वागत में शामिल हुए।

किसानों को दिया गया बीज



रजरप्पा (आजाद सिपाही)। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) रामगढ़ के चितरपुर प्रखंड में प्रखंड कृषि पदाधिकारी विना सिंह मुंडा, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक चंद्रमौली, सहायक तकनीकी प्रबंधक निरंजन कुमार और अनामिका टेटे की उपस्थिति में किसानों को खाद्य पौषण सुरक्षा (कृषिन्नति योजना) और टूफा योजना 2024-25 के तहत दलहन और तेलहन की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्यक्षण कार्य के लिए बीज उपलब्ध कराया गया लाभुक किसानों को प्रत्यक्षण कार्य कैसे करनी है इस संबंध विस्तृत जानकारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक चंद्रमौली के द्वारा दी गयी। जैसे खेत की तैयारी कैसे करे, बीजोपचार कैसे करेगे, पंक्तिबद्ध तरीके से खेती कर अधिक उत्पादन ले सकेगे। आइएनएम व आइपीएम के अनुशंसित मात्रा में प्रयोग करने के खेती में क्या फायदे है इस संबंध में प्रकाश डाला। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक चंद्रमौली के द्वारा बताया गया कि प्रत्यक्षण प्रक्षेत्र का निरीक्षण आत्मा के प्रसारकर्मी के द्वारा निरंतर किया जायेगा और फसल के हरेक क्रांतिक अवस्था पर उपयोगी सुझाव दिया जायेगा।

ऊचरिंगा मोहर्रम मैदान में असामाजिक तत्वों ने मुस्लिम धर्मावलंबियों का झंडा जलाया

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू थाना क्षेत्र अंतर्गत लोक रिसॉर्ट के निकट ऊचरिंगा मोहर्रम मैदान में लगे मुस्लिम धर्मावलंबियों के झंडे को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने शुक्रवार की देर रात को जलाया। घटना के बाद लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। पुलिस प्रशासन पहुंचकर छानबीन कर रही है। साथ ही मुस्लिम धर्मबलंबियों के झंडे को फिर से स्थापित कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित कर रही है। मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा पतरातू थाने में एक आवेदन भी दिया गया है। आवेदन में इस तरह का हarkत करने वाले असामाजिक तत्वों पर जांच करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

कैंटोनमेंट बोर्ड की बैठक में विधायक ममता देवी ने विकास पर दिया जोर



रामगढ़ (आजाद सिपाही)। विधायक ममता देवी शनिवार को कैंटोनमेंट बोर्ड की बैठक में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने विकास योजनाओं पर जोर दिया। बैठक में सबसे पहले ब्रिगिडियर संजय चंद्र कांडणाल ने विधायक ममता देवी का स्वागत किया। साथ ही छावनी क्षेत्र में किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान विधायक ममता देवी ने छावनी परिषद क्षेत्र के सभी आठ वार्डों में विकास कार्यों को गति देने की बात कही। उन्होंने कहा कि छावनी क्षेत्र की सड़क, नालियों और सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस मौके पर छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी अनंत प्रकाश मौजूद थे। बोर्ड मीटिंग में छावनी परिषद क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं का निदान करने की बात कही गयी। आचार सहिता के दौरान लॉबित पड़े आय व्यय के व्योरे को अधिकारियों ने देखा और उसे सहमति प्रदान की। इसके अलावा 6 लोगों के मकान का नक्शा भी पारित किया गया। साथ ही 10 स्टूडेंट को भी मंजूरी दी गयी।

पत्रकार को पितृशोक, शोक संवेदना व्यक्त की

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। रांची से प्रकाशित एक हिन्दी दैनिक अखबार के भुरकुंडा संवाददाता मो. इस्लाम के पिता सह पूर्व सीसीएल कर्मी यार मोहम्मद 69 वर्ष का शनिवार की सुबह जवाहरनगर भुरकुंडा स्थित सीसीएल आवास में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर कोयलांचल के पत्रकारों ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। पिछले कुछ समय से यार मोहम्मद किडनी के रोग से ग्रसित थे। दिवंगत अपने पीछे बरा पुरा पारितार छोड़ गये हैं। कोयलांचल भुरकुंडा के पत्रकारो ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिमट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव बलिया उत्तरप्रदेश में रविवार का किया जायेगा। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में राजकुमार सिंह, महावीर प्रसाद, अवधेश शर्मा, सरोजकांत झा, राकेश पांडेय, दुर्गेश नंदन तिवारी, हृदयनारायण सिंह, उतम सिन्हा,बिजेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, कुमार आलोक, धर्मेन्द्र यादव, कमलेश मेहता, दिनेश प्रजापति, रितेश मिश्रा, संजय पासवान, शिकुमार, अभित पाठक सिंह सहित अन्य पत्रकार शामिल हैं।



## खतरा है वास्तविक

शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर बुधवार को जिस तरह से अमृतसर के स्वर्णमंदिर में जालेवा हमला हुआ, वह बताता है कि खालिस्तानी अलगाववाद के दोबारा सिर उठाने का खतरा कितना वास्तविक है। गनीमत रही कि पंजाब पुलिस के एएसआइ जसबीर सिंह की सतर्कता और तत्परता की बदौलत बादल बाल-बाल बच गये, लेकिन इस घटना ने अलगाववादी ताकतों से जुड़े खतरनाक पहलुओं को बेनकाब कर दिया है। ध्यान रहे, बादल पर यह हमला तब हुआ, जब वह 2007 से 2017 के बीच अकाली सरकार के दौरान हुई गलतियों के लिए तनखेया घोषित किये जाने के बाद अकाल तख्त के आदेश के मुताबिक स्वर्ण मंदिर के द्वार पर सेवादार की ड्यूटी निभा रहे थे। धर्म की आड़ लेकर पल रही उग्रवादी सोच कैसे करोड़ों लोगों की आस्था और उनकी धार्मिक भावनाओं की ध्वजियां उड़ा देती है, वह इस घटना से एक बार फिर स्पष्ट हो गया। इस मामले में पकड़ा गया आरोपी लोन वुल्फ की भूमिका में था या उग्रवादी-अलगाववादी संगठनों की सुनियोजित साजिश के तहत हमले को अंजाम दिया गया, यह पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही सामने आयेगा, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि हमलावर आरोपी अतीत में अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त रहा है। वह न केवल खुद पाकिस्तान जा चुका है और कई मामलों में गिरफ्तार हो चुका है, बल्कि हाल के वर्षों में भी उसके खालिस्तान समर्थक गतिविधियों में शामिल रहने की सूचना है। यह बात सही है कि नब्बे के

**ऑनलाइन चलाये जा रहे दुष्प्रचार में बड़े पैमाने पर झूठ का सहारा तो लिया ही जा रहा है, भारत विरोधी तत्वों की सहायता से फंड और हथियारों की सतत आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है।**

दशक के मध्य तक आते-आते पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद पर काफी हद तक काबू कर लिया गया था। लेकिन उसके बाद पैदा हुई पीढ़ी के मन में उस दौर की कोई स्मृति न होने की वजह से उसे इस बात का अहसास नहीं है कि उस दौरान लोगों को उग्रवादियों के कारण किस-किस तरह की परेशानी हुई और किन-किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा। इसी बात का फायदा उठाते हुए बाद के दौर में खालिस्तान समर्थक तत्वों ने सोशल मीडिया के सहारे इन युवाओं को टारगेट करना शुरू किया। ऑनलाइन चलाये जा रहे दुष्प्रचार में बड़े पैमाने पर झूठ का सहारा तो लिया ही जा रहा है, भारत विरोधी तत्वों की सहायता से फंड और हथियारों की सतत आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है। इसी का परिणाम है कि जहाँ एक तरफ, छोटे ही सही पर सिख डायस्पोरा के एक हिस्से में खालिस्तान समर्थक भावनाएं सिर उठाती दिख रही हैं, वहीं देश के अंदर भी अमृतपाल सिंह जैसे कट्टर और उग्र नेताओं का उभार देखा जा रहा है। जाहिर है, इस खतरे को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

### अभिमत

### आजाद सिपाही

## आरएसएस की 100 वर्षों की गौरवमयी यात्रा

| श्वेत मलिक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <span></span> <p>भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक उत्थान के लिए संघर्ष के 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा में आरएसएस ने देश के हर पहलू को छुआ। 27 सितंबर 1925 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संगठन का प्रारंभिक उद्देश्य हिंदू समुदाय को एकजुट करना और हिंदू राष्ट्र (हिंदू राष्ट्र) की स्थापना के लिए चरित्र प्रशिक्षण प्रदान करना तथा हिंदू अनुशासन स्थापित करना था। अनेक विरोध, अवरोध और संकटों को पार कर संघ की व्यापकता, शक्ति और प्रभाव लगातार बढ़ रहा है, इसलिए संघ की चर्चा भी सर्वत्र होती दिखती है। 100 साल की यात्रा के कई पड़ाव हैं। अब संघ कार्य की विकास यात्रा तीव्र गति से चल रही है, जिसके कारण संघ परिवार आज वट वृक्ष बन गया है। 1 लाख संघ शाखाएं,15 करोड़ स्वयंसेवक, 2 लाख विद्यालय, 5 लाख शिक्षक, 1 करोड़ विद्यार्थी, 2 करोड़ भारतीय मजदूर संघ के सदस्य,1 करोड़ विद्यार्थी परिषद के सदस्य, 17 करोड़ भाजपा सदस्य,1200 साहित्य प्रकाशन समूह, 9 हजार पूर्णकालिक कार्यकर्त्ता, 7 लाख पूर्व सैनिक, विश्व में 1 करोड़ विश्व हिंदू परिषद के सदस्य, 1.5 लाख जन सेवा कार्य, प्रत्येक स्वयंसेवक राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए संघ के साथ घटक के नाते जुड़ता है।</p> |
| <p>संघ संस्थापक डॉ हेडगेवार जी ने कहा था कि संघ कार्य को शाखा तक ही सीमित नहीं रखना है, उसे समाज में जाकर करना है। अपने परिवार के लिए आवश्यक अर्थार्जन करना, परिवार का ध्यान रखना और शाखा में नियमित जाना इतने मात्र से नहीं चलेगा। समाज</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |

#### 1951 में विधिवत रूप से भारतीय जनसंघ की स्थापना की गयी।



**संघ संस्थापक डॉ हेडगेवार जी ने कहा था कि संघ कार्य को शाखा तक ही सीमित नहीं रखना है, उसे समाज में जाकर करना है। अपने परिवार के लिए आवश्यक अर्थार्जन करना, परिवार का ध्यान रखना और शाखा में नियमित जाना इतने मात्र से नहीं चलेगा। समाज परिवर्तन और जागरण के किसी भी कार्य में अपने समय का नियोजन कर सक्रिय होना यह संघ कार्य है।**

परिवर्तन और जागरण के किसी भी कार्य में अपने समय का नियोजन कर सक्रिय होना यह संघ कार्य है। आरएसएस के माध्यम से नये समर्पित व्यक्ति शायद संघ से नहीं भी जुड़ेंगे पर संघ स्वयंसेवक के नाते हम उनसे जुड़े।हमारे ही समाज के कुछ वर्गों को अछूत कहकर शिक्षा, सुविधा और सम्मान से पुरानी सरकारों ने दुर्भाग्य से वंचित रखा।

यह सरासर अन्यायपूर्ण था। इस अन्याय को दूर कर अपनी सांझी विरासत को याद कराते हुए सबको साथ लेकर आगे बढ़ने के प्रयास सामाजिक समरसता के माध्यम से आरंभ हुए। जानिए, समाज के किन-किन क्षेत्रों में काम करते हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक।

**विद्या भारती** : यह शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत देश की सबसे बड़ी

अशासकीय संस्था है। इसकी स्थापना 1977 में मुरलीधर दत्तात्रेय देवरस द्वारा की गयी। वैसे प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना 1952 में गोरखपुर में की गयी। अभी पूरे देश में लगभग 2 लाख औपचारिक और अनौपचारिक विद्यालय चल रहे हैं।

**भारतीय मजदूर संघ** : 23 जुलाई 1955 को भोपाल में दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा स्थापित यह देश का सबसे बड़ा केंद्रीय मजदूर संगठन है। इसका नारा है, देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम। इसके 2 करोड़ के लगभग सदस्य हैं। यह संगठन अधिकार के साथ क़त्तव्य की भी बात करता है। भगवा ध्वज को झंडा के रूप में अपनाया है।

**भारतीय किसान संघ** : इसकी स्थापना 4 मार्च 1979 में दत्तोपन्त ठेंगड़ी ने की थी। इसका उद्देश्य

भारतीय किसानों का समग्र विकास है।

**अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद:** आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी की प्रेरणा से 13 जून 1948 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना की गयी। 9 जुलाई 1949 को इसका निर्बंधन कराया गया। वर्तमान में पूरे देश में 1 करोड़ से अधिक इसके सदस्य हैं।

**अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद** : इसकी स्थापना 1992 में दिल्ली में की गयी थी। यह देश भर के अधिवक्ताओं को एक साथ लाने का मंच है।

**अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत** : 1974 में पुणे में बिन्दुमाधव जोशी द्वारा स्थापित यह संगठन उपभोक्ता अधिकारों एवं जागरूकता के लिए काम करता है।

**संस्कार भारती** : ललित कला के

## देश-विदेश की खबरें

## इंडी गठबंधन में उभरी दरार!

### ममता के बयान से सियासत गर्म, महाराष्ट्र में सपा ने नाता तोड़ा

**आजाद सिपाही संवाददाता**

**नयी दिल्ली।** विपक्षी इंडी गठबंधन में फिलहाल सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसा लग रहा है कि गठबंधन में दरार लगातार चौड़ी हो रही है। यह तथ्य तब सामने आया, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे जताये। ममता बनर्जी के बयान के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी बयानबाजी शुरू हो गयी। एक ओर जहां उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना उनसे वार्ता की बात कह रही है, वहीं कांग्रेस ने कहा कि वे सिर्फ मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। इसके अलावा एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि अगर वे अधिक जिम्मेदारी लेना चाहें, तो हम उनके साथ हैं। वहीं, कई राय्यों में सत्ता पर आसीन भाजपा ने ममता के



बयान को आधार बनाकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। भगवा दल का कहना है कि राहुल को हम नहीं, विपक्षी गठबंधन बालक बुद्धि कहता है। इधर अयोध्या ध्वंस मामले पर उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के स्टैंड से समाजवादी पार्टी बिफर गयी है और उसने महाविकास आघाड़ी समेत इंडी गठबंधन से अलग होने का फैसला किया है।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने को इच्छुक वाले कथित बयान पर कांग्रेस ने कहा कि ममता

कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जायेंगे। वहीं सपा नेता उदयवीर सिंह ने कहा कि वह एक बरिष्ठ नेता हैं। उनके पास बहुते अनुभव हैं। वह सक्षम हैं। हमारी पार्टी के उनके साथ संबंध अच्छे हैं और हमें उनके नेतृत्व पर परोसा है। इंडी ब्लॉक के नेताओं को मिलकर तय करना होगा कि क्या किया जाना चाहिए।

**उद्धव सेना के स्टैंड पर भड़के अबू आजमी**

इधर समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी ने महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी से अलग होने का निर्णय लिया है। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) पर हिंदुत्व एजेंडा अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि इसी के चलते सपा ने इस गठबंधन से अपनी साझेदारी पर पुनर्विचार करने का फैसला किया।

#### अजित पवार की एक हजार करोड़ की जल संपत्ति मुक्त होगी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। छठी बार महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने के दो दिन बाद अजित पवार की जब्त बेनामी संपत्ति रिलीज करने का आदेश आ गया। दिल्ली के आवकर विभाग ट्रिब्यूनल ने पवार की एक हजार करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को मुक्त कर दिया है। सात अक्टूबर 2021 में छापेमारी के दौरान आवकर विभाग ने इन संपत्तियों को जप्त किया था। इसमें अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार और बेटे पार्थ पवार की भी संपत्तियां हैं। ट्रिब्यूनल ने संपत्तियां मुक्त करने का आदेश सुनाते हुए कहा कि संपत्तियों को लेकर कोई गैरकानूनी हेरफेर होने का सबूत आवकर विभाग पेश नहीं कर पाया है।

#### पूजास्थल कानून पर नयी बेंच में 12 को सुनवाई

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट में पूजास्थल कानून, 1991 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच बनायी गयी है। इसमें चौह जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन हैं। यह बेंच 12 दिसंबर को दोपहर साढ़े तीन बजे मामले की सुनवाई करेगी। पहले पांच दिसंबर को ही यह सुनवाई होनी थी। उस दिन सीजेआइ संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच सुनवाई से पहले ही उठ गयी थी। याचिका दाखर करने वालों में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, भाजपा नेता और एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय समेत कई अन्य शामिल हैं। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह एक्ट कहता है कि पूजास्थलों और तीर्थस्थलों का स्वरूप वैसा ही रखा जायेगा, जैसा 15 अगस्त, 1947 को था। भविष्य में भी उन पर विवाद के संबंध में अदालत में कोई मुकदमा या कार्यवाही नहीं होगी।

### पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी, मुंबई पुलिस को मिला मैसेज, जांच शुरू

**आजाद सिपाही संवाददाता**
**मुंबई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी गयी है। मुंबई पुलिस को शनिवार को व्हाट्सएप पर यह मैसेज मिला। मैसेज मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि पीएम को जान से मारने की धमकी देने वाला मैसेज राजस्थान के अजमेर से भेजा गया था। मैसेज भेजने वाले सदिग्ध की तलाश में पुलिस टीम को अजमेर भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्यलाइन के नंबर को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में फोन

### ढाका में इस्काॅन केंद्रों पर हमला, मंदिर जलाया



सामान पूरी तरह जल गये। यह मंदिर ढाका के तुराग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए राधारमण दास ने कहा, बांग्लादेश में एक ओर इस्काॅन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। श्रीश्री लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां और मंदिर के अंदर का सारा सामान पूरी तरह जल गया। यह केंद्र ढाका में स्थित है। आज तड़के दो से तीन बजे के बीच अराजक तत्वों ने श्रीश्री राधा कृष्ण मंदिर और श्रीश्री महाभाग्य लक्ष्मी नारायण मंदिर को आग के हवाले कर दिया, जो हरि कृष्णा नमहट्टा संघ के अंतर्गत आता है। यह मंदिर ढाका जिले के धौर गांव में स्थित है और तुराग थाना क्षेत्र के तहत आता है। उन्होंने यह भी कहा कि आग मंदिर के पीछे लगी टिन की छत को उठाकर पेट्रोल या ऑक्टेन का इस्तेमाल करके लगायी गयी। इतना ही नहीं उन्होंने दावा किया कि हमले जारी हैं और

इस्काॅन द्वारा बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का ध्यान इस ओर खींचने के बावजूद पुलिस-प्रशासन द्वारा उनकी शिकायतों को दूर करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए बहुत कुछ नहीं किया जा रहा है।

### भाजपा ने की निंदा

अंतरिम सरकार के गठन और अगस्त में अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद से पिछले चार महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न स्थानों पर इस्काॅन की संपत्तियों पर हमले हुए हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजुमदार ने कहा, बांग्लादेश के ढाका में इस्काॅन नमहट्टा केंद्र पर की गयी भयानक आगजनी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसने लक्ष्मी नारायण की मूर्ति और पवित्र मंदिर को वस्तुओं को नष्ट कर दिया। यह पूजा स्थल के खिलाफ घृणा का एक अक्षय्य कार्य है।

### संदेश भी मिला था

मुंबई ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्यलाइन पर सात दिसंबर को कई संदेश आये, जिसमें कहा गया था कि संदेश भेजने वाला बिश्नोई गिरोह का सदस्य है। इस संदेश में चेतावनी दी गयी थी कि अगर सलमान खान ने पांच करोड़ रुपये नहीं दिये, तो उनकी हत्या कर दी जायेगी। भेजने वाले ने चेतावनी दी कि वह 'मैं सिकंदर हूं' गीत के लेखक को भी मार देगा। हालाँकि पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया था।

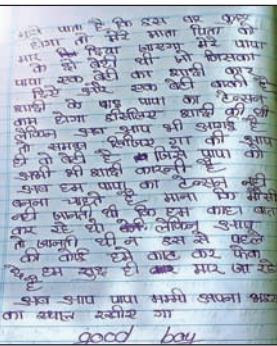
## संदिग्ध अवस्था में छात्रा का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

मौके पर सुसाइड नोट भी बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

**सगमा।** धुरकी थाना क्षेत्र के घघरी गांव में संदिग्ध अवस्था में पुलिस ने छात्रा का शव बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार घघरी गांव निवासी मुन्ना चंद्रवांसी की पंद्रह वर्षीय पुत्री आरती कुमारी बीरबल प्लास टू विद्यालय में ग्यारहवीं क्लास की छात्रा थी। इस संबंध में मृतक आरती की मां पुलिस के समक्ष बयान देते हुए बताया की बीते शुक्रवार के दिन आरती स्कूल गयी थी प्रति दिन की तरह सभी लोगो के साथ आरती भोजन की इसके बाद मैं बर्तन खोलाने के लिए आगमन में गयी थी इसी बीच मुझे घर के अंदर एक रूम से कुछ हलचल सुनायी दिया तो हम बर्तन साफ करना छोड़कर रूम के अंदर गयी तो देखा की आरती अपने दुपट्टा के सहारे पंखा में झूल रही है किसी तरह आरती को बचाने की कोशिश करने लगी मगर पंखा से झूल जाने के कारण दम घुटने से



उसका जान चली गयी।

इसकी सूचना गांव में फैलने के बाद लोगो का भारी भीड़ इकट्ठ हो गया किसी ग्रामीण ने इसकी सूचना फोन के माध्यम से धुरकी थाने को दिया। इसके बाद धुरकी थाना के एएसआई सैलेंद्र कुमार दल बाल के साथ घटना स्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर में तत्पश्चात रात्रि में ही पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है। पुलिस का कहना है की मामला संदिग्ध है इसकी जांच कर सच्चाई का पता लगाया जायेगा और कानूनी कार्रवाई किया जायेगा।

## भवनाथपुर में पावर प्लांट लगाकर बेरोजगारी दूर करना पहली प्राथमिकता : अनंत प्रताप देव

आजाद सिपाही संवाददाता

**डंडई।** नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा चुनाव जीतने के बाद पहली बार शनिवार को अंबेडकर चौक डंडई के प्रांगण में पहुंचे। जहां पर आभार सभा का आयोजन किया गया। आभार सभा आयोजन के पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव को डंडई पहुंचते ही उनके कार्यकर्ताओं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। सबसे पहले नवनिर्वाचित विधायक ने ब्लॉक परिसर स्थित नीलांबर पीतांबर के प्रतिमा को माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद वे लोगों का अभिवादन करते हुए अंबेडकर चौक पहुंचे। यहां बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण व नमन के बाद आभार सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र वासियों को तहेदिल से आभार व्यक्त करते हुए



कहा कि डंडई वासियों ने हमें जो अपना बहुमूल्य वोट देकर चुनाव में भारी मतों से जीत हासिल कराया है जिसके लिए मैं यहां की जनता का ऋणी हूँ। उन्होंने कहा कि जनता से किये गये वादों को एक-एक कर-के निश्चित रूप से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव में जो वादे किये हैं उसे एक एक कर पूरा करूंगा और पंचायत स्तर पर कार्यकर्ताओं से बैठकर हर समस्या को सुनेंगे और समस्या का समाधान करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की बड़ी समस्या बेरोजगारी और पलायन है। जो मैंने

# पांच हजार बोझा धान जलकर राख, किसानों की कमर टूटी

आजाद सिपाही संवाददाता

**हरिहरपुर।** कांडी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चौबे मझिगावां गांव में खलिहान रखे गए दस किसानों व बंटाईदरारों तथा दर्जनों मजदूरों के 20 एकड़ खेतों से तैयार धान की फसल की कटाई करने के उपरांत खलिहान मे रखी गयी धान की फसल का लगभग 5000 बोझा आग से जल कर राख हो गया। भुक्तभोगी किसानों के अनुसार चौबे मझिगावां के मुख्य बस्ती से सटे नदिया पर नामक स्थान पर उमाकांत चौबे के खलिहान में किसानों के द्वारा सामूहिक रूप से खलिहान बनाकर बड़े पैमाने पर धान का बोझा व पुआल रखा गया था। जहां शुक्रवार की रात्रि में इस खलिहान में आग लग गयी। आग कैसे लगी यह किसी ने नहीं जान सका। लेकिन मध्य रात्रि में खलिहान में आग की लपटों को देखकर शोर शराबा होने के बाद पास-पड़ोस के लोगों सहित किसानों के द्वारा खलिहान में जब



पहुंचे तो धान का बोझा सुखा हुआ होने की वजह से खलिहान में देखते ही देखते आग पूरे खलिहान में फैल चुका था। आग की लपट इतनी तेज था जिसकी वजह से आग के पास किसानों को पहुंचना काफी असंभव हो गया था। लेकिन किसी तरह से पानी की व्यवस्था होने के बावजूद किसान आग पर काबू पाना चाहे लेकिन पानी का उचित प्रबंध नहीं होने के उपरांत हरिहरपुर ओपी प्रभारी सफिउल्लाह अंसारी को आगजनी की सूचना दिया गया । जिस पर ओपी प्रभारी के द्वारा श्री बंशीधर नगर से दमकल को बुलाया गया और 7 घंटों की कड़ी मशक्कत

को कैसे वापसी कर पाऊंगा।

### ओपी प्रभारी ने कहा

इस संबंध में ओपी प्रभारी सफीउल्ला अंसारी ने कहा की इस घटना की जांच में तकनीकी टीम की सहायता ली जायेगी।

### अंचलाधिकारी ने कहा

कांडी प्रखंड अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार सहाय ने बताया कि खलिहान में लगी आगजनी की घटना दुःखद है इससे किसानों को क्षति हुआ है। इस तरह से हुए क्षति का जांचोपरांत के बाद किसान उमाकांत चौबे के साथ संबंधित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जायेगी तथा मुआवजा दिया जाएगा। प्रखंड कर्मी व पंचायत कर्मियों के द्वारा जल्द ही जांच कराकर प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया जायेगा।

## अनेकता में एकता के लिए भाषाओं की अहम भूमिका : अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

**गढ़वा।** आरकेवीएस बीएड कॉलेज में भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में महाविद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद् अलखनाथ पांडेय ने कहा कि भाषाएं अनेक भाव एक को दर्शाते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 11 दिसंबर को महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया जाता है। ‘भारतीय भाषा उत्सव’ भाषा विविधता की सुंदरता का आनंद लेने और उस विविधता में एकता की भावना का अनुभव करने के लिए एक भाषा महोत्सव है। अपनी मातृभाषा में महारत हासिल करने के अलावा अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए अनुकूल माहौल विकसित करने की जरूरत है।

इस अवसर पर महाविद्यालय में



पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने भारतीय भाषा और प्रकृति में समन्वय का सचित्रण किया। प्राचार्य डॉ चंद्रदीप पांडेय ने कहा कि राष्ट्रवादी महाकवि सुब्रमण्यम भारती 7 वर्ष की उम्र में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि सुब्रमण्यम भारती बहुभाषी कवि थे। पूरे तमिल के इतिहास में सबसे अग्रणी कवि माना जाता है यही कारण है कि भारत के सभी प्रशिक्षण महाविद्यालय में एनसीआरटी दिल्ली के निर्देशानुसार

भारती के जन्म उत्सव को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष 2024 का थीम भाषाओं के माध्यम से एकता है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक राजन चौबे, रितेश कुमार, सतीश तिवारी, प्रवीण दुबे, रंजना दुबे, रोहित कुमार के साथ-साथ कंचन, रजिखा, आकांक्षा, विद्या शिक्षा, प्रियदर्शनी, कश्मीरा, सोनू, सोनी, दुर्गा, प्रियंका, नाजनीन स्नेहा, आफरीन, आंचल, आस्था और अन्य छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

## आजाद सिपाही

रांची, रविवार, 08 दिसंबर, 2024  
www.azadsipahi.in

07

### आरके पब्लिक स्कूल में बाबा साहेब की पुण्यतिथि मनायी गयी



**गढ़वा (आजाद सिपाही)।** सविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के 69 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर आरके पब्लिक स्कूल में उनका पुण्यतिथि मनायी गयी। इस मौके पर स्कूल के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने बाबा साहेब अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माता, सामाजिक न्याय के संरक्षक एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन राष्ट्र को समर्पित था। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी बाबा साहेब अंबेडकर सविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। वे सामाजिक नवजागरण के अग्रदूत व समतामूलक समाज के निर्माणकर्ता थे। शिक्षा के द्वारा पिछड़ा, दलित, कमजोर/मजदूर वर्ग व महिलाओं को सशक्त बनाने के पक्षधर थे। आगे उन्होंने कहा कि हमारा सविधान हमारे देश का गौरव है। विश्व का सबसे बड़ा हस्तलिखित सविधान के निर्माण में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।विश्व के बड़े लोकतांत्रिक देश के सविधान का निर्माण इनके द्वारा किया गया जो अपने आप में पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। समतामूलक समाज का उनका स्वप्न, उनकी अमूल्य शिक्षाएं तथा सविधान निर्माण में उनका अतुलनीय योगदान हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। उनके आदर्शों और विचारों की रक्षा, संरक्षण और सुरक्षा करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सतोष पांडेय, अनुप कुमार पांडेय, अनिल सिन्हा, अमिता सिन्हा, शीता पांडेय, अभिलाषा तिवारी, जागृति चौबे, पूनम राय, श्वेता पांडेय, रश्मि शुक्ला, नंदलाल गुप्ता, संजय कुमार, एसडी सिंह, सनोज यादव और अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

### बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया



**रंका (आजाद सिपाही)।** रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित ग्राम कंचनपुर रविदास मुहल्ला स्थित सामुदायिक भवन में अंबेडकर युवा बलब के तत्वावधान में 6 दिसंबर 2024 को भारतीय सविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने बाबा साहेब अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए। साथ ही कैडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। लोगों ने बाबा साहेब अंबेडकर अमर रहें, सविधान जिन्दाबाद, जब तक सूरज चंद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा आदि नारे लगाए तथा वक्ताओं ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर शिक्षक दिलीप कुमार रविदास, बीडीसी शंकर राम , वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सत्येंद्र रवि, राजेश कुमार रवि, रामकेश राम, राकेश कुमार रवि, सोनू कुमार , अमित कुमार, बब्बू राम, सुधीर कुमार रवि, सोनू रवि, रविचन कुमार रवि, शिव कुमार रवि, बच्चे एवं काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## नौ दिवसीय श्री विष्णु रुद्र महायज्ञ को लेकर भूमि पूजन

आजाद सिपाही संवाददाता

**सगमा।** प्रखंड मुख्यालय स्थित तेजवा पहाड़ पर प्रस्तावित 9 दिवसीय श्री विष्णु रुद्र महायज्ञ को लेकर भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण किया गया। यज्ञ के यजमान देवताओं के जयकारे से इलाका गुंज उठा। भूमि पूजन के साथ ही विष्णु महायज्ञ का मंडप, मड़वा आदि का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में पुरोहित सुधांशु मिश्रा ने यजमान बने शैलमणि यादव ने सपत्नीक के हाथों पूजन संपन्न कराया। भूमि पूजन पूरे विंधि विधान से कराने के साथ ही यज्ञ के ध्वजा को स्थापित किया गया। श्री विष्णु रुद्र महायज्ञ यज्ञाचार्य श्री श्री 108 अवधेश जी महाराज प्रयाग संगम तट उत्तर प्रदेश के द्वारा करया जा रहा है। भूमि पूजन के दौरान धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो, मामला में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, हर हर महादेव आदि नारों से



क्षेत्र गुंजायमान रहा।

यज्ञाचार्य ने कहा कि सनातन संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम की आत्मा बसी है। यज्ञ से बल और बुद्धि प्राप्त होती है। हमें समय-समय पर यज्ञ करना चाहिए। प्रभु परम स्वरूप में जब आते हैं तो कहीं ना कहीं यज्ञ का प्रभाव होता है। वर्तमान में लोगों को अपनी आस्था व ऐतिहासिक समृद्धि, संस्कृति पर विश्वास ही नहीं रहा है। यह भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए हानिकारक है। भारतीय संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम की आत्मा विराजती है।

यज्ञ 19 मार्च को भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ होगा तथा 27 मार्च को विशाल भंडारे के साथ पूर्णाहुति की जायेगी। यज्ञ समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद यादव, सचिव राजू रंजन कुमार, उपाध्यक्ष अमरेश शाह, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र शाह ने संयुक्त रूप से बताया गया कि नौ दिवसीय श्री विष्णु रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया जायेगा। जिसमें अगल-बगल दर्जनों गांव से हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं व कन्याएं शामिल होंगी। नौ दिनों तक यज्ञ स्थल पर

भव्य मेला भी लगेगा। प्रतिदिन रात्रि में सनातन धर्म ग्रंथों से संबंधित जगत कल्याण को लेकर प्रवचन की भी आयोजन किया जायेगा। रात्रि में वृंदावन से आए हुए लोगों के द्वारा रासलीला दिखाया जायेगा। इस अवसर पर सगमा मुखिया तेजलाल राम महेंद्र विश्वकर्मा अर्जुन पासवान, सुभाष यादव, देवचन्द्र यादव, दीपक प्रसाद यादव, लालू यादव, अरविंद यादव, नंदकुमार मेहता, रामेश्वर कुशवाहा, मनोज साह, संतोष प्रजापति, अशोक चौधरी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

## कार्य में शिथिलता बरतने वाले कर्मियों पर होगी कार्रवाई : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

**गढ़वा।** उपायुक्त शेखर जमुआर को अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त श्री जमुआर ने गढ़वा जिला में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास योजनाओं एवं विभिन्न विषयों की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से मंरेंगा, राजस्व, कृषि, आपूर्ति, अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत योजनाएं, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, राजस्व, भू-अर्जन, सड़क निर्माण, उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण, केसीसी, राशन वितरण, स्वास्थ्य सुविधाएं, पेयजल,



अतिक्रमण, खाद बीज वितरण, धान अधिप्राप्ति, समाज कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग की योजनाएं, पर्वटन, नीति आयोग समेत अन्य विषयों एवं विभागों पर एक-एक कर प्राप्त प्रतिवेदन एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से जानकारी लेते हुए कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं आगे के कार्यप्रणाली को लेकर योजनाबद्ध तरीके से बेहतर कार्य

करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

मंरेंगा कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण), पीएम जम्मन योजना, सोखा गढ़ा एवं नाडेप का निर्माण, बिरसा हरित ग्राम के तहत बागवानी में पौधारोपण की स्थिति, प्रखण्डवार बिरसा सिंचाई कुप की पूर्णता, प्रखंडवार एंर्लॉयमेंट

जेनेरेशन, 100 डेज एंर्लॉयमेंट, लॉबित योजनाएं को पूर्ण करने, एरिया ऑफिसर मॉनिटरिंग, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराने, आधार एंटी, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, स्क्रीम कंप्लीशन समेत अन्य की बारी बारी से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। अबुआ आवास योजना की समीक्षा करते हुए सैंक्शनिंग प्रक्रिया में धीमी प्रगति को लेकर नाराजगी व्यक्त की गयी। समीक्षा के क्रम में प्रखंड रंका, केतार, खरौधी एवं मझिआंव का प्रगति प्रतिवेदन अपेक्षाकृत खराब पायी गयी, जिसे लेकर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की एवं समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

## मां काली मंदिर परिसर में 10 से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ, जलयात्रा से होगा शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

**गढ़वा।** शहर के चिनिया मोड़ स्थित मां काली स्थान परिसर में 10 दिसंबर से 5 दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ की शुरूआत जलयात्रा से होगी और यज्ञ 11 दिसंबर से प्रारंभ होकर 15 दिसंबर को पूर्णाहुति के साथ समापन होगा। महायज्ञ में जगतगुरु स्वामी दामोदर प्रपन्नाचार्य जी की उपस्थिति होगी, और प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक प्रवचन का आयोजन किया जायेगा। यह



महायज्ञ गढ़वा में श्री लक्ष्मी

नारायण महायज्ञ का पहला आयोजन है, जबकि 2008 में वन विभाग में सुदर्शन यज्ञ आयोजित हुआ था। मां काली स्थान मंदिर परिवार द्वारा इस महायज्ञ को सफल बनाने के लिए विशेष तैयारी की जा रही है, और यज्ञ में अयोध्या सहित अन्य स्थानों से आचार्यों का आगमन होगा। इसके साथ ही, डॉ. दीपक मिश्र की मंडली संगीतमत् कथा प्रस्तुत करेगी। स्थानीय लोग इस धार्मिक आयोजन को लेकर उत्साहित हैं और तैयारियों में जुटे हुए हैं।





## सगालीम के डीलर नंददेव बैठा कर रहे राशन घोटाला: विधायक



आजाद सिपाही संवाददाता

**पांकी/पलामू**। विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने पांकी प्रखंड के सगालीम गांव के डीलर नंददेव बैठा पर राशन घोटाले का संगीन आरोप लगाया है। विधायक ने पलामू डीसी शशि रंजन से मिलकर उक्त डीलर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि सगालीम गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने डीलर नंददेव बैठा के खिलाफ उनसे मिलकर शिकायत की है। डीलर नंददेव बैठा डबल राशन कार्ड का लाभ उठाने के साथ ही मृत कांड धारियों के नाम पर राशन का अवैध उठाव कर रहे हैं। पिछले कई वर्षों से डीलर नंददेव बैठा दर्जनों मृत लाभुकों के नाम राशन का गबन कर रहे हैं। उन्होंने अपने नाम पर लाल कार्ड (202002674102) में नाम पहले से दर्ज है और राशन का उठाव भी किया जा रहा है। लाल कार्ड में नाम होने के बावजूद डीलर नंददेव बैठा ने राकेश कुमार प्रजापति के नाम अंत्योदय पीला राशन कार्ड बनाकर अवैध तरीके से राशन उठा रहे हैं। विधायक ने बताया कि दाखो कुंवर स्वर्गीय बिनेशारी मांडी (202005563436), रामधारी पासवान इश्वरी पासवान (202002674422), जगेश्वर सिंह जवाहिर साव (202005573052), केशव सिंह हरिचरण सिंह (202002674428) समेत एक दर्जन से अधिक मृत व्यक्ति के नाम पर हर माह राशन का उठाव डीलर कर रहे हैं। लगे हाथ डीलर पर कम राशन वितरण करने का भी आरोप लगाया है। विधायक ने बताया कि डीलर नंददेव बैठा पर कई बार राशन घोटाला करने का आरोप लग चुका है। उन्होंने पलामू डीसी से डीलर पर सख्त कार्रवाई करते हुए लाइसेंस रद्द करने की मांग की है।

## गरीबों को किसी भी कार्य के लिए ब्लॉक का चक्कर ना लगावाएं : नरेश प्रसाद सिंह



आजाद सिपाही संवाददाता

**विश्रामपुर/पलामू**। विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने शनिवार को विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय सभागार में अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। वैसे तो यह बैठक परिचयात्मक था, लेकिन विधायक ने शालीन शब्दों में अधिकारियों-कर्मचारियों को कई नसीहतें दे दी। छिपे लहजे में कार्यसंस्कृति को सुधारने को कहा। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को ईमानदारी से कार्य करने की शपथ भी दिलवायी। इसके अलावा कई निर्देश भी दिया। विधायक ने कहा कि पहले की तरह अब अटकाओ लटकाओ वाली कार्यप्रणाली नहीं चलेगी। गरीब गुर्वों के कावों का यथाशीघ्र निष्पादन करें। गरीबों को बेवजह किसी भी कार्य के लिए ब्लॉक का चक्कर नहीं लगावाएं। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएं और ईमानदारी से कार्य करें। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इस मौके पर प्रमुख रंभा कुमारी, सीओ राकेश तिवारी, बीडीओ राजीव कुमार सिंह, सीआई विजय चौबे, राजस्व कर्मचारी अरविंद मिश्रा, राजद जिला महासचिव रमेश चौबे, नगर अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र यादव, किशोर कुमार, महेंद्र यादव, विकाश यादव, निर्मल सिंह, पंकज सिंह, एनामूल उर्फ गुड्डू, जुगल खान, मुन्ना यादव, संजय उपाध्याय, डब्ल्यू चौबे और अमीन अंसारी आदि मौजूद थे।

## राधा कृष्ण किशोर के मंत्री बनने से पलामू के व्यवसायी उत्साहित: डिंपल

**मेंदिनीनगर (आजाद सिपाही)।** राधा कृष्ण किशोर उर्फ चुन्नु को हेमंत सरकार के मंत्रीमंडल में शामिल किए जाने पर शनिवार को पलामू चेंबर बैठक कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई दी है। चेंबर के अध्यक्ष आनंद शंकर की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान पर एंजीक्यूटिव कमटी की हुई बैठक में आगामी कार्यक्रम तय किए गए। सचिव इंद्रजीति सिंह डिंपल ने बताया कि विधायक रहते राधा कृष्ण जी ने कई बार पूर्व के मुख्यमंत्री के पास चेंबर के प्रतिनिधि के साथ वार्ता के लिए गए थे। एक बार अर्जुन मुंडा और दो बार रघुवर दास जी के समक्ष चेंबर के प्रतिनिधि में शामिल होकर उन्होंने शहर की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया था। कहा कि खास महल के मुद्दे की राधा कृष्ण किशोर जी को पूरी जानकारी है। इस लिए उन्होंने चेंबर के साथ कई बार उनसे भी वार्ता किया। डिंपल ने कहा कि अब खुद राधा कृष्ण किशोर जी मंत्री बन गए हैं और उन्हें प्रमुख विभाग मिले हैं. इसलिए पलामू की आशा और ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि एक कार्य कुशल नेतृत्व के तहत चुन्नु भैया पलामू की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निष्पादित करेंगे। इसमें सबसे पहले खास महल की समस्या, टाउन प्लान, सेकंड फेस वाटर सप्लाई, मिनी पलाईओवर, कोयल नदी को बांधना और उस पर दूसरे बड़े पुल का निर्माण करना आदि शामिल है। वहीं, बैठक के बाद सभी ने अपने वरीय उपाध्यक्ष राजदेव उपाध्याय को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी और अध्यक्ष आनंद शंकर के शीघ्र स्वस्थ लाभ के लिए प्रार्थना की। बैठक में उपाध्यक्ष कृष्ण प्रसाद अग्रवाल, रीजनल उपाध्यक्ष रिकू दुबे, आलोक माथुर, रितेश कुमार, सतीश साहू, पुनीत सिंह आदि मौजूद थे।

## सड़क हादसे में युवक की मौत, हंगामा

## शव उठवा देने पर मुखिया के खिलाफ आक्रोश-दो बार सड़क जाम

**आजाद सिपाही संवाददाता**
**रामगढ़/पलामू।** रामगढ़-डालटनगंज मुख्य मार्ग पर नावाडीह के बगनी झरिया में शनिवार की सुबह नौ बजे हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। उसकी पहचान जाकिर अहमद (28) के रूप में हुई है। पेशे से मजदूर युवक बेड़िया का रहने वाला है।इस घटना के तुरंत बाद नावाडीह के मुखिया दयानंद प्रसाद ने मौके पर पहुंच कर पुलिस की मदद से शव को वहां से उठवा दिया। जिससे आक्रोशित मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने मुख्य सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि मुखिया का हाइवा होने के कारण उन्होंने



हादसे में युवक की मौत के बाद सड़क जाम कर हंगामा करते लोग ।

पुलिस से मिलकर शव उठवा दिया। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों को मानें तो जाकिर बाइक से डालटनगंज जा रहा था। वहां से ट्रेन पकड़कर दूसरी जगह मजदूरी करने जाने वाला था। जाकिर पेंटर का काम करता था। उसकी दो बेटियां हैं। परिजनों-लोगों ने दावा किया कि डालटनगंज जाने के क्रम में किसी दूसरी बाइक से उसकी बाइक की

टक्कर हो गयी। वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया और पीछे से आ रहा एक हाइवा उसके सिर पर चढ़ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। व ही, मृतक के बहनोई शेर मोहम्मद ने कहा कि परिजनों के आने से पहले शव को उठाना सही नहीं रहा। ग्रामीण अजीमुद्दीन अंसारी ने कहा कि डेढ घंटे तक सड़क जाम

| सिमडेगा समाहरणालय, सिमडेगा ।<br>(भू—अर्जन शाखा)<br>प्रपत्र VII<br>झारखण्ड सरकार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग<br>(भू—अर्जन निदेशालय)<br>याउपायुक्त या समुचित सरकारअधिघोषणा<br>(अधिनियम–30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)<br>दिनांक .....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |          |                 |                  |                |                                    |                                                                                                                                                                                                                                                     |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|-----------------|------------------|----------------|------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|------|------|----------------|------|--------|-------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|
| अधिघोषणा सं० .....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |          |                 |                  |                |                                    |                                                                                                                                                                                                                                                     |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| <p> बुँदेलि झारखण्ड सरकार /उपायुक्त सिमडेगा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम – तामड़ा, थाना नं०–54, थाना – सिमडेगा, अंचल –सिमडेगा, जिला – सिमडेगा में भूमि, सार्वजनिक प्रयोजनायें यथा परियोजना – बीरू (एन०एच० 143 पर) तामड़ा सिकरियाटांडा रामरेखाधाम (कोचेडेगा–रामरेखाधाम पथ पर) चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण हेतु उपेक्षित है। अतएव अधिघोशित किया जाता है कि ग्राम – तामड़ा, थाना नं०–54, थाना – सिमडेगा, अंचल – सिमडेगा, जिला – सिमडेगा में उपर्युक्त कथित योजना के लिए कमोवेश <b>9,294</b> एकड़ यानि <b>3.76527</b> हेक्टेयर मानक माप का रैयती भूखण्ड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है –</p> |          |                 |                  |                |                                    |                                                                                                                                                                                                                                                     |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| अ०                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | वाता सं० | सर्व भूखण्ड सं० | स्थिति का प्रकार | भूति का प्रकार | जनन के अनिवार्य क्षेत्रफल एकड़ में | हितवद् व्यक्ति का नाम                                                                                                                                                                                                                               | सौर भूखण्ड संख्या |      |      |                | अन्य |        |                                                       | संरक्षण                                                                               |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |          |                 |                  |                |                                    |                                                                                                                                                                                                                                                     | अ०                | का   | फ़ू  | प्ल०           | किमा | संख्या | प्रकार                                                | रिस्कि एरिफ. Sft.                                                                     |
| 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 2        | 3               | 4                | 5              | 6                                  | 7                                                                                                                                                                                                                                                   | 8                 | 9    | 10   | 11             | 12   | 13     | 14                                                    | 15                                                                                    |
| 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 1        | 1712            | रेयती            | दोन दो         | 0.012                              | जयपाल लाल मिश्र मान घाली                                                                                                                                                                                                                            | 1714              | 1716 | 1710 | 1713           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 2                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 1        | 1724            | रेयती            | टांड दो        | 0.012                              | कमला किन्नी पती गवरीचन किन्नी                                                                                                                                                                                                                       | 1721              | 1803 | 1725 | 1716           |      |        | मकान एक्सेरसत + कुआं + गेट                            |                                                                                       |
| 3                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 1        | 1732            | रेयती            | टांड दो        | 0.011                              | किन्नुन साहू दो किन्नुन साहू दो किशोर साहू मिश्र गवधर साहू                                                                                                                                                                                          | 1716              | 1758 | 1734 | 1731           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 4                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 1        | 1980            | रेयती            | टांड दो        | 0.03                               |                                                                                                                                                                                                                                                     | 1981              | 1849 | 1716 | 1965           | पेड़ | 1      |                                                       | ईंट बाइडरी (ललित गोगल वगैर मिश्र राखेश गोगल) खरौल मकान (बंदा देवी पती लक्ष्मी प्रसाद) |
| 5                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 4        | 2349            | रेयती            | दोन एक         | 0.083                              | बत्तीर अलमद खी मिश्र रामसेर खी                                                                                                                                                                                                                      | 2343              | 2362 | 2348 | 2354           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 6                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 23       | 866             | रेयती            | दोन एक         | 0.012                              | कीररी उरव दो कानू दो मगर मिश्र कन्दर उरव                                                                                                                                                                                                            | 867               | 865  | 897  | 864            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 7                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 23       | 1740            | रेयती            | टांड तीन       | 0.077                              | कीररी उरव दो कानू दो मगर मिश्र कन्दर उरव                                                                                                                                                                                                            | 1716              | 1741 | 1744 | 1739           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 8                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 23       | 1744            | रेयती            | दोन तीन        | 0.015                              | कीररी उरव दो कानू दो मगर मिश्र कन्दर उरव                                                                                                                                                                                                            | 1716              | 1743 | 1745 | 1740           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 9                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 23       | 2069            | रेयती            | टांड एक        | 0.001                              | कीररी उरव दो कानू दो मगर मिश्र कन्दर उरव                                                                                                                                                                                                            | 2081              | 2059 | 2210 | 2070           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 10                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 29       | 864             | रेयती            | टांड दो        | 0.078                              | मनोदर दत्त प्रताप रामसेरल मिश्र साबैर अली खी                                                                                                                                                                                                        | 850               | 861  | 863  | 829            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 11                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 33       | 2430            | रेयती            | दोन तीन        | 0.007                              | कीलस केसरी मिश्र विजयल साव                                                                                                                                                                                                                          | 2362              | 2432 | 2431 | 2429           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 12                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 33       | 2430            | रेयती            | दोन तीन        | 0.003                              | मुंग केसरी मिश्र विजयल साव                                                                                                                                                                                                                          |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 13                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 33       | 2430            | रेयती            | दोन तीन        | 0.003                              | पुनन कुमर केसरी मिश्र विजयल साव                                                                                                                                                                                                                     |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 14                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 37       | 922             | रेयती            | दोन तीन        | 0.006                              | विजय कुमर पुरी को बीरम पुरी मिश्र कोरनिधय पुरी                                                                                                                                                                                                      | 900               | 924  | 928  | 912            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 15                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 37       | 928             | रेयती            | टांड दो        | 0.08                               | विजय कुमर पुरी को बीरम पुरी मिश्र कोरनिधय पुरी                                                                                                                                                                                                      | 900               | 927  | 933  | 922            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 16                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 37       | 2346            | रेयती            | टांड दो        | 0.021                              | राजकिशोर पुरी मिश्र रामदेव पुरी                                                                                                                                                                                                                     | 1863              | 2382 | 1811 | 2347           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 17                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 37       | 2431            | रेयती            | टांड दो        | 0.013                              | विजय कुमर पुरी को बीरम पुरी मिश्र कोरनिधय पुरी                                                                                                                                                                                                      | 2361              | 2432 | 1801 | 2430           | पेड़ | 3      |                                                       |                                                                                       |
| 18                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 47       | 861             | रेयती            | दोन तीन        | 0.032                              | गवैश प्रसाद साहू मिश्र महादेव साहू                                                                                                                                                                                                                  | 44                | 171  | 48   | 46             |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 19                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 47       | 863             | रेयती            | पल्ली कदीन     | 0.048                              | गवैश प्रसाद साहू मिश्र महादेव साहू                                                                                                                                                                                                                  | 859               | 900  | 864  | 861            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 20                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 47       | 901             | रेयती            | दोन तीन        | 0.043                              | गवैश प्रसाद साहू मिश्र महादेव साहू                                                                                                                                                                                                                  | 900               | 902  | 908  | सीमापन किन्नुन |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 21                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 47       | 909             | रेयती            | दोन तीन        | 0.002                              | कोल्हा साव मिश्र चमर साव                                                                                                                                                                                                                            | 900               | 908  | 910  | 901            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 22                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 49       | 1715            | रेयती            | टांड दो        | 0.011                              | झोरा उरव को ललित मिश्र बुढीआ केसरी को बने मिश्र तीन उरव रामन को खरौलुस को इन्विल उरव दो बीरमा मिश्र मकुज उरव दो अन्विल को ललित को सुलेमान मिश्र प्रभुना उरव                                                                                         | 1636              | 1716 | 1713 | 2212           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 23                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 50       | 1718            | रेयती            | खरीदान         | 0.026                              | झोरा उरव को ललित मिश्र बुढीआ केसरी को बने मिश्र तीन उरव रामन को खरौलुस को इन्विल उरव दो बीरमा मिश्र मकुज उरव दो अन्विल को ललित को सुलेमान मिश्र प्रभुना उरव                                                                                         | 1714              | 1721 | 1717 | 1714           | पेड़ | 1      |                                                       |                                                                                       |
| 24                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 50       | 2355            | रेयती            | दोन तीन        | 0.036                              | झोरा उरव वगैर मिश्र बुढीआ वगैर                                                                                                                                                                                                                      | 2353              | 2362 | 2354 | 2358           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 25                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 50       | 2426            | रेयती            | दोन तीन        | 0.032                              | झोरा उरव वगैर मिश्र बुढीआ वगैर                                                                                                                                                                                                                      | 2362              | 2435 | 2427 | 2925           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 26                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 55       | 1717            | रेयती            | खरीदान         | 0.033                              | गवधर साहू दो अन्नु साहू मिश्र मीरमा दो लाली साहू मिश्र खरीधर साहू                                                                                                                                                                                   | 1716              | 2689 | 1718 | 1719           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 27                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 55       | 2057            | रेयती            | टांड एक        | 0.008                              | गवधर साहू दो अन्नु साहू मिश्र मीरमा दो लाली साहू मिश्र खरीधर साहू                                                                                                                                                                                   | 2088              | 2056 | 1716 | 2058           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 28                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 55       | 2057            | रेयती            | टांड एक        | 0.00                               | मारे देवा मिश्र दोनरा देवा                                                                                                                                                                                                                          |                   |      |      |                |      |        | मकान एक्सेरसत                                         |                                                                                       |
| 29                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 56       | 1809            | रेयती            | दोन दो         | 0.002                              | कृष्णा कन्दैश मिश्र मिश्र म्हाेश मिश्र                                                                                                                                                                                                              | 1724              | 1808 | 1724 | 1716           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 30                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 56       | 1837            | रेयती            | टांड           | 0.046                              | नन्द किशोर मिश्र मिश्र म्हाेश मिश्र                                                                                                                                                                                                                 | 1838              | 1716 | 1716 | 1815           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 31                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 56       | 1837            | रेयती            | टांड           | 0.00                               | विजय सिंह लम्नु सिंह                                                                                                                                                                                                                                |                   |      |      |                |      |        | खरौल मकान                                             |                                                                                       |
| 32                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 56       | 1839            | रेयती            | टांड           | 0.017                              | नन्द किशोर मिश्र मिश्र म्हाेश                                                                                                                                                                                                                       | 1849              | 1838 | 1716 | 1840           | पेड़ | 2      | पक्का दीवाल + गेट + लोहा गेट                          |                                                                                       |
| 33                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 56       | 1839            | रेयती            |                | 0.03                               | कृष्णा कन्दैश मिश्र मिश्र म्हाेश मिश्र                                                                                                                                                                                                              |                   |      |      |                | पेड़ | 4      | 2 एक्सेरसत मकान, दीवाल, एक्सेरसत दुबान, शीवालय शीवालय |                                                                                       |
| 34                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 58       | 935             | रेयती            | टांड दो        | 0.048                              | भुरन लोहार मिश्र पेशय लोहार                                                                                                                                                                                                                         | 900               | 936  | 939  | 934            | पेड़ | 6      | बाइडरी + एक्सेरसत शीवालय                              |                                                                                       |
| 35                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 80       | 1719            | रेयती            | दोन दो         | 0.205                              | कुम्हार साहू मिश्र किन्नुन साहू                                                                                                                                                                                                                     | 1716              | 1726 | 1730 | 1720           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 36                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 80       | 1720            | रेयती            | पल्ली कदीन     | 0.01                               | हुसेनी मिश्र इनयडू साव                                                                                                                                                                                                                              | 1716              | 1719 | 1719 | 1716           |      |        | सीढ़ी + दीवाल                                         |                                                                                       |
| 37                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 80       | 2211            | रेयती            | दोन दो         | 0.091                              | हुसेनी मिश्र इनयडू साव                                                                                                                                                                                                                              | 2212              | 1716 | 1716 | 2210           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 38                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 90       | 1707            | रेयती            | पल्ली कदीन     | 0.001                              | दोनरा दोबी मिश्र वीर दोबी                                                                                                                                                                                                                           | 1703              | 1716 | 1701 | 1708           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 39                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 100      | 865             | रेयती            | दोन एक         | 0.183                              | दुडिया याला मिश्र मालार याला                                                                                                                                                                                                                        | 829               | 868  | 861  | 866            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 40                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 100      | 912             | रेयती            | दोन एक         | 0.082                              | दुडिया याला मिश्र मालार याला                                                                                                                                                                                                                        | 900               | 914  | 922  | 710            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 41                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 111      | 941             | रेयती            | टांड तीन       | 0.012                              | नरैण अहीर मिश्र लल्लु अहीर को लोहना अहीर मिश्र बल्लभर अहीर लल्लु साव दो दवा साव मिश्र अरार साव दो कोले दो कृष्ण मिश्र मरी साव दो राम विजय साहू दो रामेश्वर को उपरिखास को किन्नुन मिश्र लोचन साहू अन्नु लोहार को चमन दो अन्न दो साहू मिश्र पुन लोहार | 900               | 942  | 944  | 940            |      |        | एक अर्द्धनिर्मित मीरर                                 |                                                                                       |
| 42                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 117      | 2347            | रेयती            | दोन तीन        | 0.028                              | गोपाल साव मिश्र किशोर साव                                                                                                                                                                                                                           | 2345              | 2362 | 2346 | 2348           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 43                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 130      | 997             | रेयती            | टांड दो        | 0.021                              | गोपाल साव मिश्र किशोर साव                                                                                                                                                                                                                           | 1714              | 1716 | 1712 | 1715           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 44                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 143      | 1731            | रेयती            | दोन दो         | 0.107                              | गोपाल साव मिश्र किशोर साव                                                                                                                                                                                                                           | 1712              | 1729 | 1732 | 1718           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 44                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 149      | 1696            | रेयती            | पल्ली कदीन     | 0.005                              | बत्तीर अलमद खी मिश्र रामसेर खी                                                                                                                                                                                                                      | 1692              | 1716 | 1695 | 1697           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 47                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 149      | 1697            | रेयती            | दोन दो         | 0.049                              | बत्तीर अलमद खी मिश्र रामसेर खी                                                                                                                                                                                                                      | 1698              | 1716 | 1696 | 1699           | पेड़ | 2      |                                                       |                                                                                       |
| 48                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 150      | 2423            | रेयती            | दोन दो         | 0.011                              | परातत उरव दो लोहे उरव मिश्र दुम्पु उरव                                                                                                                                                                                                              | 2362              | 2441 | 2424 | 2422           |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 49                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 1000            | रेयती            | टांड दो        | 0.008                              | उमेश प्रसाद वगैर मिश्र देवी प्रसाद                                                                                                                                                                                                                  | 1001              | 900  | 998  | 896            |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 50                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 1000            | रेयती            | टांड दो        | 0.01                               | पीटर ट्रेट मिश्र जेरेक ट्रेट                                                                                                                                                                                                                        |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 51                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 1000            | रेयती            | टांड दो        | 0.01                               | पिनाको देवी मिश्र लोहा ठावर                                                                                                                                                                                                                         |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 52                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 1000            | रेयती            | टांड दो        | 0.007                              | रमेश मिश्र मिश्र सखेंद्र प्रसाद मिश्र                                                                                                                                                                                                               |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 53                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 1000            | रेयती            | टांड दो        | 0.009                              | इंजिनरुल डिक्की पती मण्डलेंत डिक्की                                                                                                                                                                                                                 |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 54                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 1000            | रेयती            | टांड दो        | 0.009                              | किन्नुन याला मिश्र विमल याला                                                                                                                                                                                                                        |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 55                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2358            | रेयती            | दोन तीन        | 0.021                              | उमेश प्रसाद वगैर मिश्र देवी प्रसाद                                                                                                                                                                                                                  | 2357              | 2362 | 2355 | 2332           |      |        | पक्का दीवाल एवं लोहा गेट                              |                                                                                       |
| 56                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2358            | रेयती            | दोन तीन        | 0.019                              | एलेन देमा इन्डुल पती कोलेमेरेलु इन्डुल                                                                                                                                                                                                              |                   |      |      |                |      |        | पक्का बाइडरी + शीवालय                                 |                                                                                       |
| 57                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2358            | रेयती            | दोन तीन        | 0.019                              | छेदेनी देवी पती पुनयाम देवा                                                                                                                                                                                                                         |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 58                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2358            | रेयती            | दोन तीन        | 0.019                              | बीरान्तन बीरान्तन मिश्र अन्नात किशोर श्री वाराह                                                                                                                                                                                                     |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 59                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2358            | रेयती            | दोन तीन        | 0.019                              | बीरान्तन बीरान्तन मिश्र अन्नात किशोर श्रीवास्तव                                                                                                                                                                                                     |                   |      |      |                |      |        |                                                       |                                                                                       |
| 60                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2361            | रेयती            | दोन तीन        | 0.033                              | उमेश प्रसाद को बचन प्रसाद दो झुलन प्रसाद मिश्र देवी झुलन                                                                                                                                                                                            | 2359              | 2362 | 2360 | 2332           |      |        | मकान पक्का बाइडरी एवं बांतिगम्बेद कुठु श्रीवास्तव     |                                                                                       |
| 61                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2361            | रेयती            | दोन तीन        | 0.015                              | मीना देवी पती रामनारायन साव                                                                                                                                                                                                                         |                   |      |      |                |      |        | बाइडरी घाफकल                                          |                                                                                       |
| 62                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 153      | 2361            | रेयती            | दोन तीन        | 0.01                               | सुरेखा देवी पती अशोक कुमार                                                                                                                                                                                                                          |                   |      |      |                |      |        | मकान एक्सेरसत                                         |                                                                                       |

||
||
||



# ग्रामीण विकास विभाग की ओर से संचालित योजनाओं ने बोकारो डीसी ने की समीक्षा खराब प्रदर्शन करने वाले पांच पंचायत सचिवों का वेतन रोकने का निर्देश

लाभुकों को लंबित प्रथम-द्वितीय किस्त का करें भुगतान

आजाद सिपाही संवाददाता

**बोकारो।** जिला ग्रामीण विकास विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक शनिवार को समाहरणालय सभागार में हुई। जिसकी अगुवाई डीसी विजया जाधव ने की। इस दौरान डीसी ने क्रमवार विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे अनुआ आवास योजना, डॉ बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर आवास योजना (बीएसबीएवाई), मनरेगा, पीएम जनमन योजना, डोभा, कुआं निर्माण, खेलकूद मैदान निर्माण आदि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अनुआ आवास योजना की समीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले चास, चंदनकियारी, जरीडीह एवं नावाडीह प्रखंडों के खराब प्रदर्शन वाले पांच पंचायतों को चिन्हित करते हुए संबंधित पंचायत सचिव के वेतन को अगले आदेश तक के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया। डीसी ने समीक्षा क्रम में अनुआ आवास योजना के

## खराब प्रदर्शन वाले पीएमएवाई से भी मांगा गया स्पष्टीकरण



विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करती डीसी विजया जाधव।

लक्ष्य, स्वीकृत एवं अंतर की भी जानकारी ली। साथ ही लाभुकों के किस्त भुगतान, लंबित भुगतान की जानकारी लेते हुए लंबित किस्त भुगतान को अखिलंब पूरा करने को कहा। उन्होंने संबंधित प्रखंडों के आवास योजना के प्रखंड समन्वयकों से कार्य में लापरवाही/सुस्ती को लेकर स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। जिला स्तर पर पदाधिकारियों को कार्य प्रगति का प्रतिदिन निगरानी का निर्देश दिया। डीसी ने डॉ बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर आवास योजना (बीएसबीएवाई) की समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष

2016-2024 के बीच अपूर्ण आवसों को अखिलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि जिन लाभुकों का किस्त भुगतान लंबित है, उसे भुगतान कर कार्य की प्रगति कराएं। वहीं, राज्य से योजना के तहत जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है, उसे लाभुकों को चिन्हित करते हुए स्वीकृत करें और निर्माण कार्य शुरू कराएं। डीसी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में लक्ष्य अनुरूप मानव दिवस का सुजन करने का सभी बीडीओ को निर्देश दिया। इस दिशा में रणनीति बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य

करने को कहा। वहीं, मनरेगा के तहत महिला श्रमिकों की सहभागिता बढ़ाने को कहा। उन्होंने सभी प्रखंडों को अलग-अलग लक्ष्य सौंपा। अगली बैठक से पूर्व महिलाओं की भागिदारी लक्ष्य अनुरूप पूरा करने को कहा। लगे हाथ डीसी ने डोभा योजना की समीक्षा क्रम में अपूर्ण डोभा कार्य को पूरा करने। सभी कनीय अभियंताओं को आवंटित पंचायत अंतर्गत संचालित लंबित योजनाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर, उसे पूर्ण कराने के दिशा में कार्य कराने को कहा। उन्होंने सभी बीडीओ, बीपीओ, एई व जेई आदि को क्षेत्र का भ्रमण करने को कहा। वहीं, कुआं निर्माण एवं वीर शहीद पोतो हो खेल योजना के तहत भी खेलकूद मैदानों की समीक्षा क्रम में लक्ष्य अनुरूप कार्य को गति देने को कहा। उन्होंने योजनाओं से संबंधित प्रचार-सामग्री तैयार कर आम जनों को संचालित योजनाओं के संबंध में जागरूक करने का

निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (पीएमएवाई-आर) के समीक्षा क्रम में लक्ष्य के अनुरूप लाभुकों को योजना स्वीकृति,स्वीकृति के अनुरूप लाभुकों को किस्त का भुगतान को लेकर क्रमवार समीक्षा की गई। लक्ष्य अनुरूप सभी को बेहतर प्रदर्शन करने को कहा। अगले सप्ताह फिर से समीक्षा होगी, जिसमें सभी प्रखंडों को प्रदर्शन में सुधार लाने को कहा। सभी प्रखंडों को लंबित आवास पूर्ण करने के लिए अलग-अलग लक्ष्य दिया। इसके अलावा विभिन्न योजनाओं को लेकर समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिया। बैठक में चास बीडीओ डॉ प्रदीप कुमार, चंदनकियारी बीडीओ अजय वर्मा, पेटटवार बीडीओ संतोष महतो, बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार, गोमिया बीडीओ महदेव कुमार, चास अंचलाधिकारी दिवाकर दूबे, कसमार बीडीओ नम्रता जोशी आदि उपस्थित थे।

## बिरंची नारायण ने जनहित मुद्दों को लेकर की सेल के अध्यक्ष से मुलाकात



**बोकारो (आजाद सिपाही)।** पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान को लेकर सेल के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रकाश से दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने सेल अध्यक्ष से बोकारो में 100 बेड वाले एसआइसी अस्पताल की स्थापना के लिए निःशुल्क भूखंड उपलब्ध कराने, कचरा निस्तारण प्लांट लगाने और ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना के लिए भूखंड

उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने अप्रेंटिसशिप पास विस्थापित अभ्यर्थियों को बोकारो इस्पात संयंत्र में नियोजन देने और बचे हुए अभ्यर्थियों को जल्द से जल्द अप्रेंटिसशिप कराने को कहा। सेल अध्यक्ष से सीएसआर फंड की राशि विस्थापित गांवों में सड़क, पुल, पुर्लिया, पेयजलापूर्ति, स्वास्थ्य उपकेंद्र, विद्यालय आदि के मद में खर्च करने को कहा।

## टाइगर फोर्स की बैठक में रोजगार, पानी बिजली और स्वास्थ्य को लेकर हुई चर्चा

**केदुआ/धनबाद (आजाद सिपाही)।** धनबाद टाइगर फोर्स की बैठक शनिवार को केदुआ पांच नंबर आवासीय कार्यालय में हुई। जिसमें टाइगर फोर्स के महामंत्री अवधेश पासवान एवं संचालनकर्ता गण्कार उपस्थित थे। वक्ताओं ने कहा कि बैठक का मुख्य मुद्दा वार्ड नंबर 9, 10, 11, 12 व 13 में यहां के बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए रणनीति बनाने के साथ ही रोजगार दिलाना पहली प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, स्ट्रीट लाइट एवं 5 नंबर तालाब का सौंदर्यकरण पर भी चर्चा हुई और आंदोलन करने की रणनीति बनायी गयी। बैठक में रीतलाल पासवान उर्फ पंडित, दर्पण कुमार, सोनू मलिक, संजय कुमार दास, राजेश कुमार दास, मुकेश पासवान, राजीव पासवान, कृष्णकांत, राहल तुरी, दर्पण कुमार, सुभाष जायसवाल, रवि पासवान, सी माहेश्वरी, राजमणि पासवान, शंकर कुमार, विक्रम कुमार, उदय कुमार, रवि कुमार, सनोज कुमार, अजीत पासवान, अजय पासवान, राजेश पासवान, भोला पासवान, देवेंद्र और दिनेश आदि उपस्थित हुए।

## 17 सूत्री मांगों को लेकर इनमोसा के प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक तकनीकी के साथ बैठक कर चर्चा की

**धनबाद (आजाद सिपाही)।** इनमोसा का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को कुश कुमार सिंह के नेतृत्व में निदेशक तकनीकी संजय कुमार सिंह से मुलाकात की और 17 सूत्री मांगों को लेकर एजेंडा बैठक की। मांगों में सभी समितियों में इनमोसा की भागीदारी सुनिश्चित करने, माइनिंग तकनीकी में बदलाव को देखते हुए माइनिंग सरदार एवं ओवरमैन को आइआइसीएम रांची में प्रशिक्षण देने, रेस्क्यू ट्रेड सुपरवाइजर के करियर ग्रोथ के लिए सेपरेट कैडर स्कीम बनाने, रेस्क्यू ट्रेड सुपरवाइजर को चार्ज अलाउंस देने, रेस्क्यू स्टेशन एवं रेस्क्यू रूम के नवीनीकरण के साथ साथ रेस्क्यू अलाउंस को रिव्यू करना और मुनीडीह लॉगेवाल का चार्ज अलाउंस को कमेटी बनाकर रिव्यू के लिए कमेटी गठित करने, सभी मीनिंग सुपरवाइजर के लिए ट्रेस कोड जारी करने, माइनिंग सुपरवाइजर की कमी को जल्द से जल्द भरने, खदानों में डीजीएमएस द्वारा निर्गत गैसडालाइन का पालन करने, कंपनी स्तरीय माइनिंग सुरक्षा सेमिनार आयोजित कराने, खदानों की सुरक्षा की दृष्टिकोण से एमडीओ मोड से संचालित खदानों में नियंत्रण पदाधिकारी की रूपरेखा स्पष्ट करने आदि विषयों पर वार्ता हुई। कुश कुमार ने अवगत कराया कि इनमोसा द्वारा एजेंडा नोट पत्रांक के माध्यम से निदेशक तकनीकी को दिया गया था। इस आधार पर निदेशक तकनीकी ने पत्रांक देकर के इनमोसा के केंद्रीय पदाधिकारी को वार्ता के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि वार्ता में सभी मांगों पर विचार करने पर सहमति बनी है। कुश ने कहा कि निर्धारित उत्पादन एवं सुरक्षा लक्ष्य के प्रति इनमोसा वचनबद्ध है।

## दाखिल खारिज के लंबित मामलों को लेकर डीसी ने कसमार सीओ से मांगा स्पष्टीकरण

**कसमार (आजाद सिपाही)।** अंचल में भूमि के दाखिल-खारिज से संबंधित मामलों के निष्पादन में कसमार सीओ प्रवीण कुमार की सुस्ती-लापरवाही पर बोकारो डीसी विजया जाधव ने नाराजगी व्यक्त की है। डीसी ने सीओ, उनके राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक को शोकांउज (स्पष्टीकरण) किया है। डीसी की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि, झारभूमि पोर्टल पर दाखिल-खारिज के प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति के समीक्षा के

क्रम में पाया गया कि राजस्व उप निरीक्षक, अंचल निरीक्षक एवं सीओ की ओर से मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरती जा रही है। पोर्टल पर कई आवेदन लंबित हैं। जबकि कई आवेदनों को बिना किसी टोस वजह से अस्वीकृत किया जा रहा है। वहीं, कुछ मामलों में बिहार टेनेंट्स होल्डिंग (मेटेनेंस ऑफ रिकाडर्स) एक्ट 1973 के सेक्शन 15 का उल्लंघन भी किया जा रहा है, जो सही नहीं है। उन्होंने कसमार अंचल में दाखिल-खारिज के लंबित

आवेदनों की संख्या पर कड़ी नाराजगी जताई है। कहा कि कार्यालय द्वारा झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 के अनुपालन को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया गया है। बावजूद इसके दाखिल-खारिज से संबंधित आवेदनों का समय पर एवं पारदर्शितापूर्ण निष्पादन नहीं करना, कार्य निष्पादन में सुस्ती-लापरवाही को दर्शाता है। इसी को लेकर डीसी ने सीओ, उनके राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

## पहला कदम स्कूल में दिव्यांगता सप्ताह का समापन

**धनबाद (आजाद सिपाही)।** विश्व दिव्यांगता सप्ताह का समापन शनिवार को पहला कदम स्कूल में हुआ। इस अवसर पर धनबाद इस्कॉन के विश्वजीत प्रभु, जितेश प्रभु, अंकित प्रभु, अभय प्रभु, राजीव प्रभु आदि के नेतृत्व में दिव्यांग बच्चों के बीच हरि कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने उत्साह और उल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण हिस्से

के रूप में धनबाद इस्कॉन की ओर से दिव्यांग बच्चों के बीच महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के विधायक राज सिन्हा उपस्थित रहे। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को आशीर्वाद दिया



और उनके साहस और समर्पण की सराहना की। कहा कि हमारे समाज का कर्तव्य है कि हम दिव्यांगजनों को समान अवसर दें और उन्हें अपने समाज का पूर्ण सदस्य महसूस कराएं। वहीं, पहला कदम स्कूल को सचिव अनीता अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगता को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। दिव्यांगजन भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं।

## भाकपा माले ने किया अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो का अभिनंदन

## कॉमरेड एके राय के अधूरे सपनों को पूरा करने को जनमानस की आवाज उठाते रहेंगे: अरूप



में चलती रही है। आज माले की दो सीटो पर जीत आइएनडीआइए गठबंधन के नेतृत्व में सही रणनीति की देन है। इसके लिए जनता-मतदाताओं के आभारी हैं। उधर, समारोह में शामिल होने के लिए विधायक द्वय का स्वागत बैड बाजा और आतिशबाजी कर हजारों कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने किया। वहीं, समारोह का उद्घाटन माले के जिला सचिव बिंदा पासवान ने किया। इस मौके पर पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो, सेन्ट्रल कमेटी सदस्य नितार्इ महतो, हरि प्रसाद पप्पू,

### आजाद सिपाही संवाददाता

**धनबाद।** धनबाद पुराना बाजार के टेंपल रोड स्थित अग्रसेन भवन धर्मशाला में शनिवार को भाकपा माले की धनबाद जिला कमेटी की ओर से नव निर्वाचित विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि कॉमरेड एके राय के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए मासस का माले में विलय और जमीनी संघर्ष के बल पर आइएनडीआइए गठबंधन की रणनीति का ही परिणाम है कि आज पूरे झारखंड में माले की निरसा एवं सिंदरी विद्वानसभा सीटों पर जीत हुई हुई। वहीं, सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो उर्फ बबलू ने कहा कि किसान और मजदूरों की लड़ाई लंबे समय से पार्टी के नेतृत्व में कोयलांचल

सुभाष प्रसाद सिंह, सुभाष चटर्जी, आनंद मयीपाल, प्रो केपी अजीत, कार्तिक प्रसाद, राणा चटराज, विजय कुमार पासवान, हिमांशु मंडल, शेखर कुमार, कृष्णा सिंह, हरेन्द्र सिंह, नागेंद्र कुमार, एनपी साहू, विश्वजीत राय, बुटन सिंह, देवाशीष पाण्डेय, सुनिल महतो, राजीव मुखर्जी, कल्याण घोषाल, जयदीप बनर्जी, नकुल देव सिंह, नरेश पासवान, चक्रधर महतो, एन चंद्रा, गणेश चौरसिया, बिजली देवी, संतोष रवानी, शीतल दादा और मुक्तेश्वर महतो आदि शामिल हुए।

## गोविंदपुर एवं निरसा में हो रहे सड़क हादसों को रोकने के लिए बनायी गयी विशेष रणनीति

**- एनएनआई को 15 दिनों के अंदर सर्विस लेन को चालू करने का निर्देश, गोविंदपुर-निरसा में जल्द ही अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की भी योजना**

### आजाद सिपाही संवाददाता

**धनबाद।** गोविंदपुर और निरसा में हो रहे सड़क हादसों को रोकने एवं क्षेत्र में लगने वाली सड़क जाम की समस्या के निवारण के लिए समाहरणालय परिसर में शनिवार को उच्च स्तरीय एक बैठक हुई। जिसमें डीसी माधवी मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक (नगर) अजीत कुमार के साथ पुलिस और जिला प्रशासन के कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद पुलिस प्रशासन के पदाधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने गोविंदपुर क्षेत्र का दौरा किया और सड़क हादसों व जाम की वजह एवं उसके रोकथाम के लिए निदान को लेकर समीक्षा की। टीम में एडीएम विधि व्यवस्था, धनबाद एसडीएम, डीएसपी मुख्यालय वन, ट्रैफिक डीएसपी, जिला परिवहन पदाधिकारी आदि शामिल थे। गोविंदपुर को जाम मुक्त करने

एवं सड़क हादसों को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिसके तहत धनबाद-सरायहेला की तरफ से आने वाले रास्ते में गोविंदपुर मोड़, टुंडी की तरफ से आने वाले रास्ते में सुभाष चौक, साहेबगंज की तरफ से आने वाली सड़क पर फकीरडीह चौक के पास गाड़ियों की रफ्तार को धीमी करने के लिए सड़क पर रखल स्ट्रिप लगाने का निर्देश एनएचआई को दिया गया। इसके अलावा बरवाअड्डा किसान चौक से लेकर साहेबगंज मोड़ तक सड़क के दोनों ओर नाईट विजन रिफ्लेक्टर, साइन बोर्ड, ब्लिंकर लाइट तत्काल लगाने का निर्देश दिया गया। साथ ही इन सभी पॉइंट पर ट्रैफिक पुलिस के जवानों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्णय भी लिया गया, ताकि जाम की समस्या से साथ ही हाईवे पर होने वाले सड़क हादसों को रोका जा सके। गोविंदपुर और निरसा में लगने वाले सड़क जाम की समस्या के समाधान के लिए एनएनआई को 15 दिनों के अंदर सर्विस लेन को जल्द चालू करने का निर्देश भी

दिया गया। इन इलाकों में सर्विस लेन की सड़क पर बने अतिक्रमण को हटाने का निर्णय भी लिया गया। जल्द ही गोविंदपुर और निरसा के इलाकों में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बने मकान एवं दुकान द्वारा किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। इसके अलावे सड़क पर मनमाने तरीके से खड़ी गाड़ियों के विरुद्ध भी विशेष अभियान चलाया जाएगा।

### कार्यालय नगर परिषद रामगढ़

**शुद्धि पत्र**  
एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि रामगढ़ नगर परिषद् कार्यालय के द्वारा निकाले गए अति-अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या –NIT /RGH/NP/18/2024-25 जिसका PR No.- 341430 District(24-25):D है, उक्त निविदा में टंकणीय भूल के कारण दिनांक– 20.10.2024 को निविदा खोलने की प्रकाशित हो गई थी जिसमें अंशिक संशोधन करते हुए निविदा खोलने की तिथि 20.12.2024 को अपराह्न– 04:00 बजे की जाती है।  
शेष निविदा के शर्त यथावत् रहेगी।  
**कार्यालय पदाधिकारी**  
**नगर परिषद रामगढ़**

**कार्यालय जिला परिषद, पलामू।**  
**E-mail-zilaparishad.palamu@gmail.com**

### आम सूचना (6<sup>th</sup> Call)

एतद् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.11.2022 को संपन्न जिला परिषद बोर्ड की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में विभिन्न प्रखण्डों में स्थित जिला परिषदीय बहुद्देशीय भवन / डाक बंगला की बंदोबस्ती 5 वर्ष के लिए खुली डाक के द्वारा निम्नांकित तिथि को उप विकास आयुक्त-सह– मुख्य कार्यालय पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के डीओआरडी0ए0 स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में की जायेगी।

| क्र० | प्रखण्ड    | सैरात का नाम                                                                                            | बंदोबस्ती की अवधि | एक वर्ष के लिए डाक की न्यूनतम राशि | अग्रधन की राशि 25% | डाक की तिथि | समय       |
|------|------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|------------------------------------|--------------------|-------------|-----------|
| 1    | 2          | 3                                                                                                       | 4                 | 5                                  | 6                  | 7           | 8         |
| 1    | हरिहरगंज   | हरिहरगंज व्यापारिक ईकाई (2 बहुद्देशीय भवन एवं 2 डाक बंगला सहित संपूर्ण परिसर)।                          | 5 वर्ष            | 432000.00                          | 108000.00          | 17/12/2024  | 12:00 बजे |
| 2    | विश्रामपुर | विश्रामपुर व्यापारिक ईकाई (1 बहुद्देशीय भवन, 2 डाक बंगला एवं 1 बस पड़ाव (1st Call) सहित संपूर्ण परिसर)। | 5 वर्ष            | 456000.00                          | 114000.00          |             |           |

उपरोक्त सैरात के बंदोबस्ती हेतु खुली डाक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को दिनांक 16.12.2024 तक कॉलम संख्या–6 में निर्धारित अग्रधन राशि बैंक ड्राफ्ट/ चेक द्वारा जो सचिव, जिला परिषद, पलामू (Secretary, Zila Parishad, Palamu) के पदनाम से भुगतेंय होगा, कार्यालय जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। बैंक ड्राफ्ट/ चेक के साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो, वेध चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, पहचान पत्र एवं पैन कार्ड का छायाप्रति जमा करना आवश्यक होगा। सैरात की बंदोबस्ती की अवधि 5 वर्षों की होगी। सर्वोच्च डाक वक्ता को डाक समाप्ति के पश्चात् तत्काल सम्पूर्ण डाक राशि का 50% नकद राशि के रूप में नगरत जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। एक डाक से दूसरे डाक के बीच की अन्तर राशि न्यूनतम 10000.00 (दस हजार) रुपये की होगी। उप विकास आयुक्त-सह– मुख्य कार्यालय पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू को बिना कारण बताये डाक स्थगित करने का सदाधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद का निपटारा स्थानीय न्यायालय में किया जायेगा।  
नोट :- उपरोक्त सैरात के आवंटन में सरकार/ अर्द्ध सरकारी निकायों को प्राथमिकता दी जायेगी।  
ह0/-  
उप विकास आयुक्त –सह–  
मुख्य कार्यालय पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू।  
PR.NO.341440 District(24-25):D

### कार्यालय, जिला परिषद्, कोडरमा

अति अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 05 / 2024–25  
(3<sup>rd</sup> Call)

वित्तीय वर्ष 2023–24 में 15वें वित्त आयोग आबद्ध/अनाबद्ध निधि के अंतर्गत प्राप्त आवंटन के तहत स्वीकृत क्रमांक– 07 में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त–1 के अनुसार जिला परिषद कोडरमा में निबंधित संवेदकों से F<sub>2</sub> पत्र पर मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

- |                                     |                                                          |
|-------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| 1.विज्ञापन दाता का नाम              | :-जिला अभियंता, जिला परिषद, कोडरमा।                      |
| 2.परिमाण विपत्र बिंदी की तिथि       | :-दिनांक–14.12.2024 (कार्यालय कार्य दिवस एवं समयावधि तक) |
| 3.निविदा प्राप्त करने की तिथि       | :-दिनांक–16.12.2024 (अपराह्न 03:00 बजे तक)               |
| 4.निविदा खोलने की तिथि              | :-दिनांक–16.12.2024 (अपराह्न 04:00 बजे)                  |
| 5.परिमाण विपत्र बिंदी का स्थान      | :-जिला परिषद कार्यालय, जिला परिषद, कोडरमा।               |
| 6.निविदा प्राप्त एवं खोलने का स्थान | :-जिला परिषद कार्यालय, जिला परिषद, कोडरमा।               |
| 7.कार्य की विस्तृत विवरणी :-        |                                                          |

| सुप संख्या | एक्टिविटी क्रमांक | कार्य का नाम                                                                                                                                      | प्रारंभित राशि (रुपये में) | अग्रधन की राशि (रुपये में) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|------------|-------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------|----------------------------|------------------------------------|--------------------------|
| 01         | 89680267          | प्रखण्ड कोडरमा के कोलगरमा आर0ई0ओ रोड से वासुदेव सिंह घर तक पी0सी0सी0 सड़क निर्माण                                                                 | 338700.00                  | 7000.00                    | 750.00                             | 03 माह                   |
| 02         | 89679781          | प्रखण्ड डोमचांच के कुण्डीधनवार चोण्डी आर0ई0ओ रोड चोण्डी तक पी0सी0सी0 सड़क निर्माण                                                                 | 638600.00                  | 13000.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |
| 03         | 89679636          | प्रखण्ड डोमचांच कुण्डीधनवार नौमाडीह मदन सिंह होटल के पास चबूतरा निर्माण                                                                           | 508700.00                  | 10500.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |
| 04         | 88394735          | प्रखण्ड डोमचांच के बच्छेडीह लकाडीह तालाब में घुलाई घाट निर्माण                                                                                    | 531100.00                  | 11000.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |
| 05         | 88394369          | प्रखण्ड कोडरमा के बेकोवार उत्तरी के ग्राम बिच्छीपहरी शिव मंदिर से रीतलाल राणा के घर तक नाली निर्माण                                               | 785800.00                  | 16000.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |
| 11         | 88389470          | प्रखण्ड डोमचांच के पंचायत मयूचन के ग्राम सिमरिया में संतोष यादव घर से मिथिलेश मेहता के घर तक 500 फीट नाली निर्माण                                 | 960000.00                  | 20000.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |
| 12         | 88389430          | प्रखण्ड मरकच्चो के ग्राम पंचायत कादोडीह के ग्राम गमरेशिंहा में उमेश यादव के घर से युनुस मिर्जा के घर तक आर0सी0सी0 नाली निर्माण डक्कन सहित 500 फीट | 1133800.00                 | 23000.00                   | 2500.00                            | 03 माह                   |
| 14         | 88389114          | प्रखण्ड सतगावा के पंचायत कटैया के ग्राम कटैया में महमूददेव यादव के घर से राजेन्द्र यादव के घर तक नाली का निर्माण                                  | 327600.00                  | 7000.00                    | 750.00                             | 03 माह                   |
| 15         | 88385101          | प्रखण्ड सतगावा के पंचायत खुटटा के ग्राम गाजेडीह में जवाहर महतो के घर से गंगो चौधरी के घर तक नाली निर्माण                                          | 533500.00                  | 11000.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |
| 16         | 88389230          | प्रखण्ड चंदवारा के 10+2 उच्च विद्यालय जयपुरा कांको में शौचालय निर्माण                                                                             | 750000.00                  | 16000.00                   | 1250.00                            | 03 माह                   |

जिन संवेदकों के द्वारा उक्त निविदा के 2<sup>nd</sup> Call में निविदा डाली गई है वो मान्य होगा। उन्हें दुबारा निविदा डालने की आवश्यकता नहीं होगी।  
निविदा की शर्तें [www.koderma.nic.in](http://www.koderma.nic.in) एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखें।  
**PR 341475 (Panchayati Raj)24-25<sup>th</sup>D**

जिला अभियंता,  
जिला परिषद, कोडरमा

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रायरंगपुर में विकास परियोजनाओं की नींव रखी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने (7 दिसंबर, 2024) ओड़िशा के रायरंगपुर में तीन रेल लाइनों बागिरिपोसी-गोरुमहिसानी, बुरामा-चाकुलिया और बादामपहाड़-केंदुझारगढ़ के साथ ही जनजातीय अनुसंधान और विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डे, और रायरंगपुर के उप-मंडल अस्पताल के नये भवन की नींव रखी। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस भूमि की बेटी होने पर हमेशा गर्व रहा है। जिम्मेदारियों और व्यस्तताओं ने उन्हें कभी भी अपनी जन्मभूमि



और यहां के लोगों से दूर नहीं किया, बल्कि लोगों का प्यार उन्हें हमेशा अपनी ओर खींचता रहता है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि उनके विचारों और कार्यों में बसी है। इस क्षेत्र के लोगों का पवित्र और गहरा स्नेह हमेशा उनके मन

में गुंजाता रहता है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि रेल परियोजनाओं और हवाई अड्डे से क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। 100 बिस्तरों वाली नयी अस्पताल स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य

सुविधाएं प्रदान करेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि ओड़िशा भारत सरकार के पूर्वोदय दृष्टिकोण से लाभान्वित हो रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन संपर्क और परिवहन सुविधाओं सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम

से पूरे क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं। उन्हें यह जानकारी खुशी हुई कि ओड़िशा में 100 से अधिक नये एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं। जिनमें मयूरभंज जिले के 23 विद्यालय भी शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त करने के बाद आदिवासी बच्चे समाज और देश की प्रगति में गुणवत्तापूर्ण योगदान दे सकेंगे।

## राज्य में शराब की बिक्री बढ़ रही है : आबकारी मंत्री

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)।



राज्य में शराब की बिक्री साल दर साल बढ़ती जा रही है। कानून और आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने विधानसभा में प्रश्नोत्तर के दौरान यह जवाब दिया। मंत्री के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 2022-23 में 5 करोड़ 83 लाख 44 हजार की विदेशी शराब बिक्री हुआ था। जबकि 2023-24 में 5 करोड़ 88 लाख 85 हजार की विदेशी शराब बिक्री हुई है। इसी तरह 2022-23 में 12 करोड़ 9 लाख 67 हजार बल्क लीटर की बिक्री हुई, जबकि 2023-24 में यह बढ़कर 15 करोड़ 3 लाख 72 हजार बल्क लीटर हो गयी है। इसी तरह देशी शराब की मांग भी बढ़ रही है। 2022-23 में 84 लाख 37 हजार लीटर देशी शराब की बिक्री हुई, जबकि 2023-24 में 98 लाख 43 हजार लीटर शराब की बिक्री हुई। इसी तरह आबकारी राजस्व में भी वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह 7,216.99 रुपये तक पहुंच गया। इसी तरह विधानसभा में कांग्रेस विधायक सोफिया फिरोज के एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि सबसे ज्यादा 124 करोड़ 99 लाख का राजस्व बरगड़ जिले से आया है। दूसरा गंजाम जिला है, जहां 100 करोड़ 96 लाख का राजस्व मिला है। मंत्री ने लिखित जवाब दिया है।

## जल्द ही दूरदर्शन पर संथाली भाषा में खबरें प्रसारित की जायेंगी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)।



जल्द ही दूरदर्शन पर संथाली भाषा में खबरें प्रसारित की जायेंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसे 6 से 7 दिनों के भीतर लागू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को संथाल भाषा में समाचारों में रूचि थी। यह बात केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बागिरिपोसी में कही। संथाल अधिकतर ओड़िशा, बिहार और असम में बसे हैं। उत्तरी बांग्लादेश के राजसाही डिवीजन और रंगपुर डिवीजन में संथाल सबसे बड़े अल्पसंख्यक हैं। नेपाल में भी कई संथाल जनजातियां निवास करती हैं।

## JOB VACANCY

**सुनहरा अवसर महिलाओं के लिए**

एक बड़ी Reputed Company में सॉफ्टवेयर के लिए Jobs Opportunity है जिसके लिए निम्न योग्यताएं अनिवार्य हैं :-

- Only Female.
- Age 30 to 45 Years.
- Minimum Qualification Graduation
- Married only.
- Experience को वरियता

**Post Applied For Life planning Officer (LPO)**

Fixed Salary : Rs. 12000 to 17000 (Monthly) +Incentive, PF, Gratuity, Medical & Bonus

Eligible Candidates are request to contact immediately with resume & Photograph on below Contact.

**Vacancy सिमित है..** नोट : 29 साल से कम एवं ONLY 10 LEFT HURRY UP 45 साल से उपर उम्र वाले व्यक्ति सम्पर्क न करें ।

**Address : 2nd Floor, R.S., Tower, Lalpur, Ranchi**

**M.: 7004800036, 9905678089 (W)**

## LAKSHMI VASTRALAY

**अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता फैन्सी**

हमारे यहाँ फैंसी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों में मिलते हैं।

7033265646

Coal Board Colony, Near Dy.SP Bunglow Police Line Hirapur, Dhanbad

आजाद सिपाही को ओर से स्ववाधिकारी लैडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीपी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीपी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।

संपादक : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक\* : विनोद कुमार, \*\*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, राज्य समन्वय संपादक : अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायिक कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21

# राज्य में आठ नये केन्द्रीय विद्यालय खुलेंगे, केन्द्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को धन्यवाद दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ओड़िशा में आठ नये केन्द्रीय विद्यालय खोलने के लिए केन्द्रीय वित्तीय मामलों की कैबिनेट समिति की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो रहा है। इन नये केन्द्रीय विद्यालयों के साथ, ओड़िशा के कई छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त

कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में नयी शिक्षा नीति-2020 से विद्यार्थियों में प्रतिभा विकास के व्यापक अवसर पैदा हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री ओड़िशा में शिक्षा के विकास पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। और कहा कि केन्द्रीय मंत्री राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकास के लिए सफलतापूर्वक कदम उठा रहे हैं। ये नये केन्द्रीय विद्यालय कुचिंडा, तालचेंबर, आठमलिक, कामाक्षानगर, आइटीबीपी खुर्दा,



जयपुर, टिंटिलागढ़ और पाटानामगढ़ में स्थापित किया जायेगा।

## महान शिक्षाविद् प्रो अच्युत सामंत को मिली 62वीं मानद डॉक्टरेट की डिग्री



आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद् और कीट-कीस के संस्थापक प्रोफेसर अच्युता सामंत को पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान से उनके उल्लेखनीय और प्रशंसनीय शैक्षिक पहल और निःस्वार्थ समाजसेवा के बदौलत मानद डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 7 दिसंबर 2024 को पूर्णिमा विश्वविद्यालय के 11वें द्दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया गया। यह मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रो अच्युत सामंत को अबतक मिली 62वीं मानद डॉक्टरेट की डिग्री है, जो भारत के किसी भी शिक्षाविद् को अबतक मिली एक कीर्तिमान मानद डॉक्टरेट की डिग्री है। अपनी 62वीं मानद डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त करते हुए, डॉ सामंत ने कहा, पिछले 33 वर्षों से, मैं समाज में लोगों के लिए लगातार काम कर रहा हूँ। समाज सेवा और शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉसामंत को दुनिया भर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों से कई मानद डॉक्टरेट की उपाधि

से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमण्य मुख् अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जबकि पूर्णिमा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सुरेश चंद पांडी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी समारोह का हिस्सा बने।

## जिंदल फाउंडेशन ने मनाया जश्न: 'उत्कर्ष' से सफल 20 ओपीएससी उम्मीदवारों को सम्मानित किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। अंगुल जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) की सामाजिक शाखा, जिंदल फाउंडेशन ने अपने उत्कर्ष कोचिंग कार्यक्रम से 20 युवा उम्मीदवारों की सफलता का जश्न मनाया। यह कार्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले वंचित उम्मीदवारों को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग प्रदान करता है। ओड़िशा प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफलता पाने वाले 20 लोगों में सिद्धार्थ आनंद पंडा को 96वीं रैंक, संजय मिश्र को 112वीं रैंक और सरोज कुमार बेहेरा को 160वीं रैंक मिली है। इसी तरह श्रद्धा रंजन 240 रैंक, कुमार अविनाश 278 रैंक, एन पल्लवी 297 रैंक समेत अन्य को यह सफलता मिली है। इन चर्चित उम्मीदवारों को उनकी योग्यता के आधार पर ओड़िशा प्रशासनिक



सेवा और अन्य राज्य सविल सेवा संवर्गों के तहत भर्ती किया जायेगा। जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां पंकज मल्हान कार्यकारी निदेशक जेएसपी, और श्री दामोदर मित्तल कार्य निवाही निदेशक ने मेधावी उम्मीदवारों को सुझने के इच्छुक छात्र अधिक जानकारी के लिए 9437305797 पर कॉल कर सकते हैं। इस अवसर पर अंगुल जेएसपी के सीएसआर प्रमुख तथा जीएम जयंत कुमार महाति और अन्य सीएसआर सदस्य उपस्थित थे।

बताया गया। 2021 में लांच किया गया। उत्कर्ष कार्यक्रम ओड़िशा के मेधावी छात्रों को उनके सपनों को हकीकत में बदलने में मदद करने पर केन्द्रित है। अब तक, लगभग 2,000 छात्र इस ऑनलाइन और ऑफलाइन कोचिंग कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं। उत्कर्ष कार्यक्रम से जुड़ने के इच्छुक छात्र अधिक जानकारी के लिए 9437305797 पर कॉल कर सकते हैं। इस अवसर पर अंगुल जेएसपी के सीएसआर प्रमुख तथा जीएम जयंत कुमार महाति और अन्य सीएसआर सदस्य उपस्थित थे।

## भुवनेश्वर में छठा ओड़िशा राज्य पुस्तक महोत्सव शुरू

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)।

प्रदर्शनी मैदान में छठे राज्य पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन किया गया। ओड़िशा भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव 17 दिसंबर तक चलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, उद्घाटन समारोह में 'श्रीमद्भागवत', 'विवर्तने ओडिया भाषा', 'ओडिया लोक साहित्य और संस्कृति' और गुरुचरण पटनायक की जीवनी पर आधारित पुस्तकों का विमोचन किया गया।



उद्घाटन समारोह में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एकामरा विधायक बाबू सिंह भी शामिल थे। संस्कृति विभाग ने उत्कल केशरी डॉ हरेकृष्ण महताब, ओड़िशा में बुद्ध स्मारक, भगवान बिरसा मुंडा और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पर आधारित तीन मंडप बनाये हैं। इस बार विभिन्न मीडिया एजेंसियों, सरकारी विभागों, ओड़िशा साहित्य अकादमी और ओड़िशा राज्य संग्रहालय ने अपने-अपने स्टॉल लगाये हैं। ओड़िशा भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग के साथ-साथ ओड़िशा पुस्तक प्रकाशक और विक्रेता संघ, ओड़िशा प्रकाशक संघ, राजधानी पुस्तक मेला, एकाग्र पुस्तक मेला और भुवनेश्वर पुस्तक मेला के साथ-साथ राज्य और राज्य के बाहर के कई पुस्तक प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं ने इसके आयोजन में सहयोग किया है।

## आइपीएस आशीष सिंह केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर गये



भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। आइपीएस अधिकारी आशीष सिंह केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर गये। वे वर्तमान में अर्धसैनिक भारत-तिब्बत सीमा पुलिस या आइटीबीपी में आइजी के रूप में तैनात किया गया हैं। भारत सरकार की ओर से एक अधिसूचना जारी की गयी है कि वह पांच साल या अगले निर्देश तक प्रतिनियुक्ति पर जायेंगे। अब उन्हें तुरंत इस्तीफा देकर नयी नौकरी ढूँढना करने का आदेश दिया गया है।

# एम्स भुवनेश्वर ने पिछले तीन महीनों में 8,518 व्यक्तियों का परीक्षण किया

जिन में से 31 एचआईवी पॉजिटिव पाये गये।

एम्स भुवनेश्वर भारत में एचआईवी निगरानी और महामारी निगरानी के लिए आठ क्षेत्रीय संस्थानों में से एक है। सुरक्षित प्रथाओं और रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त कंडोम वितरित किया गया



महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। डॉ बिस्वास ने कहा, हमारे प्रयास राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप हैं, और हमारा उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए समय पर उपचार सुनिश्चित करना है। विश्व एड्स दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, एम्स भुवनेश्वर ने एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें जनता के लिए ओपीडी फोयर में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल था। चिकित्सा विभाग और ट्रांसम्यूज और रक्त बैंक विभाग द्वारा समर्थित कार्यक्रम 'सही रास्ते पर चलें: मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम पर केंद्रित था। एचआईवी/एड्स की रोकथाम और देखभाल पर जानकारीपूर्ण पत्रक और पुस्तिकाएं वितरित की गयीं। भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एचआईवी महामारी है, जिसमें लगभग 24.67 लाख लोग एचआईवी (पीएलएचआईवी) के साथ जी रहे हैं, देश ने

एआरटी कवरेज में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो 68% है। 52,000 पीएलएचआईवी के साथ ओड़िशा में एचआईवी प्रसार दर 0.14% है, जिसमें एआरटी कवरेज 49.7% है। ये आंकड़े एचआईवी के साथ जी रहे लोगों की निरंतर रोकथाम, उपचार और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता को उजागर करते हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ दिलीप कुमार परिदा (एमएस), डॉ बिनोद कुमार पात्रो, डॉ अनुपम डे, डॉ बिजयनी बेहरा, डॉ बिनोद कुमार बेहरा, डॉ अरविंद कुमार सिंह, डॉ अंशुमान साहू, डॉ धृतिमान और केएनपी+ (एचआईवी/एड्स के साथ रहने वाले लोगों का कलिंग नेटवर्क) की प्रवासी प्रधान जैसे विशेषज्ञों ने दर्शकों को एचआईवी संक्रमण के मार्गों, नियमित परीक्षण के महत्व और एचआईवी/एड्स संकट से निपटने में सामुदायिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज्ञानवर्धक चर्चाओं में शामिल किया।

## FURNITURE PLANET

A Unit of Supreme Techno (India)

**Manufacturing Unit of**

Revolving Chairs, Office Sofa and Restaurant Furniture

**LARGEST SHOWROOM IN JHARKHAND**

Web: [www.supremetechnoindia.com](http://www.supremetechnoindia.com)

Add.: Opp. Hanuman Dharamkanta, Kokar, Ranchi

**9570040095, 9570007788**

## असर्फी हॉस्पिटल

आयुष्मान भारत एवं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध

- बाईपास सर्जरी / ओपन हार्ट सर्जरी
- हृदय वाल्व की रिपेयर या रिप्लेसमेंट

7808368888 [www.asarfihospital.com](http://www.asarfihospital.com)

## SONI JEWELLERS

50% Off on Making Charge

NEW SONI JEWELLERS

GOLD SILVER DIAMOND

Dps. Nirwanesh Aaryoj (Electron Computer) Ratu Road, Chowk, Ranchi - 01

818955528580 818431143722

## प्रकाशित

झारखंड अधिविध परिषद, रांची द्वारा आयोजित वर्ग-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, रांची द्वारा जारी नये संशोधित पाठ्यक्रम (वर्धिकापीय प्रश्न) पर पूर्णतः आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षायोग्य प्रश्नों का उत्तर सहित संकलन

वर्मा प्रेस प्रा. लि., रांची द्वारा

Verma's Today

JCERT इस नयी को संशोधित पाठ्यक्रम आधारित

CHAPTER WISE CLASS - XI 2025

ARTS, SCIENCE, COMMERCE एवं विस्तृत के लिए अधिन-अधिन पुस्तकें

All Subjects Combined in ONE BOOK

Arts Subject Hindi (Core), English (Core), Hindi (Elective), English (Elective), Economics, History, Political Science, Geography, Sociology, Psychology, Philosophy and Home Science

Science Subject Hindi (Core), English (Core), Economics, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology

Commerce Subject Hindi (Core), English (Core), Economics, Accountancy, Business Studies, Commercial Arithmetic, Entrepreneurship and Computer Science

सिलेक्ट-जुलैट नाम पाली नली कर्तकी पुस्तकों से सवधान!

VERMA PRESS PVT. LTD. 4, B. G. STREET, THAPAKHANA RANCHI (JHARKHAND) - 834 001